दैनिक

लोकहित की पुकार

RNI-MPHIN/37343

राजगढ़, सोमवार 6 नवंबर, 2023 वर्ष-02 अंक-356 पृष्ठ-8 मूल्य- 2 रुपए

email-lokhit ki pukar@gmail.com

पेज- 7 गांवों में भाजपा सरकार ने बिछाया सड़कों का जाल: नारायण सिंह पंवार

पेज- 8 मतदान कर्मी पूरी गंभीरता से प्रशिक्षण प्राप्त करें : कलेक्टर

न्यूज इन शार्ट

एकनाथ खड़से को पड़ा दिल का दौरा

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) विधान परिषद सदस्य एकनाथ खड़से को दिल का दौरा पड़ा है। उनका इलाज चल रहा है। पार्टी नेता और सांसद सुप्रिया सुले ने रविवार को बताया कि वह एकनाथ खड़से की बेटी और शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी की महिला विंग की अध्यक्ष रोहिणी खड़से के संपर्क में हैं। पहले दिन में एक पोस्ट में रोहिणी खड़से ने कहा कि उनके पिता को जलगांव के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था, क्योंकि वह पिछले दो दिनों से ठीक महसूस नहीं कर रहे थे। सावधानी बरतने के लिए उन्हें मुंबई के एक अस्पताल में ले जाया जा रहा है और उनकी हालत स्थिर है। उन्होंने कहा कि चिंता का कोई कारण नहीं है।

मिजोरम विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार अभियान समाप्त

आइजोल। मिजोरम में सात नवंबर को होने जा रहे विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार अभियान रविवार शाम चार बजे समाप्त हो गया और इस पूरे एक महीने की अवधि के दौरान कानून व्यवस्था की कोई समस्या सामने नहीं आई। अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी एल लियानजेला ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अब मतदान संपन्न होने तक, राजनीतिक दलों द्वारा किसी भी प्रकार का चुनाव प्रचार, जनसभा, संवाददाता सम्मेलन करने, साक्षात्कार देने, मीडिया में परिचर्चा करने पर कड़ी पाबंदी रहेगी। उन्होंने कहा कि राज्य में 1,276 मतदान केंद्रों में 149 सुदूर मतदान केंद्र हैं, जबकि अंतरराज्यीय एवं अंतरराष्ट्रीय सीमा के आसपास के करीब 30 मतदान केंद्रों को संवेदनशील घोषित किया गया है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि पूरे राज्य में तथा अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर सुरक्षा कड़ी कर दी गई है।

आज दोपहर इंदौर में जनसभा लेंगी प्रियंका गांधी

इंदौर। इंदौर में विधानसभा चुनावों के मद्देनजर सभी पार्टियों के सीनियर लीडर लगातार दौरे कर रहे हैं। इसी क्रम में सोमवार को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव प्रियंका गांधी क्ष्ग्र्घ्ह्ह्ह्ग्ग्ध्ध्ह इंदौर पहुंचेंगी। वे सुबह इंदौर एयरपोर्ट पर आकर सीधे धार के लिए निकल जाएंगी। वे दोपहर एक बजे पुलिस ग्राउंड कुक्षी में जनता को संबोधित करेंगी। इसके बाद वे शाम 4 बजे इंदौर पहुंचेंगी। इंदौर में वे रोबोट स्क्वेयर पर जनसभा करेंगी। यहां पर वे कांग्रेस प्रत्याशी सत्यनारायण पटेल के पक्ष में जनसभा करेंगी। पूरे कार्यक्रम के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ प्रियंका गांधी के साथ मौजूद रहेंगे। पांच नंबर में लगातार बड़े आयोजन इंदौर की विधानसभा पांच में लगातार बड़े आयोजन हो रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खंडवा में जनसभा को किया संबोधित

बड़ी मेहनत से एमपी को गड्ढे से निकाला, इसे कांग्रेस के चंगुल से बचाना होगा

खंडवा। पिछले दो दिनों में मैं मध्यप्रदेश में जहां भी गया हूं, लोगों में उत्साह, उमंग और भावनाओं का प्रवाह दिखाई देता है। हर तरफ से आवाज आती है 'एमपी के मन में है मोदी' और 'मोदी के मन में है एमपी'। साथियो मध्यप्रदेश मेरे दिल में है और मैं 21 वीं सदी में मध्यप्रदेश को विकास की नई ऊंचाईयों पर देखना चाहता हूं। आप भी यह चाहते हैं कि मध्यप्रदेश देश के टॉप-10 विकसित राज्यों में अपना झंडा गाड़ दे। कांग्रेस ने अपने भ्रष्टाचार और भाई भतीजावाद से प्रदेश को बड़े गड्ढे में गिरा दिया था। भाजपा ने बड़ी मेहनत से उसे इस गड्ढे से बाहर निकाला है और इस काम में हमारी तीन-चार पीढ़ियां खप गई हैं। इसलिए हमें अब एमपी को कांग्रेस के चंगुल से बचाकर रखना होगा। उसे गलत हाथों में नहीं जाने देना है। यह बात प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने रविवार को खंडवा जिले के पंधाना विधानसभा के छैगांव माखन मंडल के सीवी रमन यूनिवर्सिटी मैदान में जनसभा को संबोधित करते हुए कही। सभा को राष्ट्रीय महासचिव श्री कैलाश विजयवर्गीय ने भी संबोधित किया।

मध्यप्रदेश को अपना एटीएम बनाना चाहती है कांग्रेस

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आप जानते हैं कांग्रेस यहां सरकार बनाने के लिए क्यों छटपटा रही है? उसे सरकार बनाने की क्या जरूरत पड़ गई है और उसके नेता क्यों पागलों की तरह दौड़ रहे हैं? कांग्रेस का इरादा साफ है। वह एमपी को अपनी पार्टी का एटीएम बनाना चाहती है। लोकसभा चुनाव की तैयारी के लिए पूरे एमपी से ट्रैक्टर भर-भर के लूट करना चाहती है। क्या कांग्रेस को इसके लिए मौका देना है? क्या उन्हें प्रदेश को लूटने की इजाजत देना है? श्री मोदी ने कहा कि जब केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी, तो वह लाखों

करोड़ों के घोटाले करके अपना काम चलाती थी। लेकिन बीते 10 सालों से देश की जनता उसे पहचान गई है और जनता हर राज्य से उनका हिसाब चुकता करने में लगी है। इसलिए कांग्रेस पार्टी हर राज्य को बड़े लालच की दृष्टि से देखती है। वो यही इंतजार में है कि कब मौका मिलेगा और कब माल खाएंगे। श्री मोदी ने कहा कि जिस राज्य में भी कांग्रेस की सरकार बनीं, वहां धड़ल्ले से लूट चल रही है। आपस में होड़ लगी है कि सीएम ज्यादा लूटेगा या डिप्टी सीएम लूटेगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस यानी गरीब और मध्यम वर्ग की जेबें साफ करना। कांग्रेस यानी विकास की गाड़ी को परमानेंट ब्रेक लगाना या उसे रिवर्स गियर में डाल देना। इसलिए कांग्रेस से बहुत सावधान रहने की जरूरत है। सत्ता से बाहर रहकर वो सुधरे नहीं है, बल्कि उनकी भूख और ज्यादा तेज हो गई है।

कांग्रेस युवाओं की दुश्मन

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने कहा कि ऐसे नौजवान जो पहली बार वोट देने जा रहे हैं, उन्हें बहुत सतर्क रहने की जरूरत है। उन्होंने कांग्रेस का राज देखा नहीं है। ये नौजवान अगर अपने माता-पिता, बुजुर्गों से पूछेंगे तो उनकी आंखें फटी रह जाएंगी कि उस समय मध्यप्रदेश का क्या हाल था। श्री मोदी ने कहा कि मैं सभी माता-पिता से आग्रह करता हूं कि उन्होंने कांग्रेस के समय में जो मुसीबतें झेली हैं, उनके बारे में अपने बच्चों को बताएं। इससे उन्हें निर्णय करने में बहुत मदद मिलेगी। श्री मोदी ने कहा कि अन्य चुनावों के लिए यह सरकार बनाने का चुनाव हो सकता है। किसी के लिए यह पांच सालों का हिसाब-किताब करने का चुनाव हो सकता है, लेकिन युवाओं के लिए यह भविष्य बनाने का चुनाव है, 25 सालों के लिए भाग्य तय करने का चुनाव है। अगर आपके पांच साल कांग्रेस ने बरबाद कर दिए, तो भविष्य खराब हो जाएगा। श्री मोदी ने कहा कि मुझे नौजवानों को लेकर बहुत चिंता हो रही है, इसलिए आप सभी युवाओं से आग्रह करता हूं कि अपना भविष्य ऐसे हाथों में मत दीजिए, जो बदनामी से भरे हों। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कांग्रेस हमेशा अपने नेताओं के विकास की ही सोचती रही है। इसका उदाहरण है खंडवा जिला। देश में लंबे समय तक पंचायत से लेकर पार्लियामेंट तक कांग्रेस का शासन रहा। उसने देश के 100 जिलों को पिछड़े जिलों की सूची में डाल दिया था। इसका मतलब था, इनकी तरफ देखना नहीं है। इन जिलों में से अधिकांश दुर्गम आदिवासी जिले थे। 2014 में आपने हमें सेवा का अवसर दिया। मोदी सबका साथ, सबका विकास के मंत्र पर चलता है, फिर इन जिलों को कैसे अपने हाल पर छोड़ा जा सकता था।

भ्रष्टाचार और वादाखिलाफी का मॉडल है कमल नाथ

ऐतिहासिक मतों से भाजपा को जिताएं : शिवराज सिंह चौहान

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को बांधवगढ़, ब्यौहारी, धौहनी, चुरहट, सिंहावल, चितरंगी और सिंगरौली में भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में विशाल चुनावी सभाओं को संबोधित किया। साथ ही मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सिंगरौली में रोड शो भी किया। रोड शो के दौरान हर घर, हर गली, हर मोहल्ले और हर छत से सीएम शिवराज पर फूलों की बारिश कर भव्य स्वागत किया जा रहा था। जहां-जहां से मुख्यमंत्री का रोड शो गुजर रहा था, वहां-वहां लाड़ली बहनें अपने भैया को स्नेह और आशीर्वाद देने के लिए उत्साहित नज़र आ रही थी, किसी ने गले लगाया तो किसी ने तिलक लगाकर प्यार लुटाया। वहीं जनसभाओं को संबोधित करते हुए सीएम शिवराज ने कांग्रेस और कमलनाथ पर जमकर हमला बोला। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि, कमलनाथ का मॉडल डिफेक्टिव मॉडल है अगर ये मॉडल मध्यप्रदेश में आ गया तो प्रदेश फिर से बीमारू बन जाएगा।

भ्रष्टाचार और वादाखिलाफी का मॉडल है, कमलनाथ मॉडल

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जनसभा को संबोधित करते हुए कमलनाथ मॉडल के बारे में जिक्र करते हुए कहा कि, कमलनाथ का मॉडल मतलब भ्रष्टाचार का मॉडल, कमलनाथ मॉडल मतलब वादाखिलाफी का मॉडल, कमलनाथ का मॉडल मतलब ट्रांसफर को उद्योग बनाने का मॉडल, कमलनाथ का मॉडल मतलब योजनाओं को बंद करने का मॉडल, कमलनाथ का मॉडल मतलब योजनाओं का पैसा खाने का मॉडल है। ये बड़ा ही डिफेक्टिव मॉडल है अगर यह मॉडल गलती से आया तो

मध्यप्रदेश को बीमारू करने का काम करेगा। श्री चौहान ने लाड़ली बहनों से कहा कि, बहनों सुन लेना अगर ये मॉडल आ गया तो पहले तो बैगा, भारिया, सहरिया बहनों का पैसा बंद किया था अब ये लाड़ली बहना का भी पैसा बंद कर देगा।

बहनों की तरफ उंगली उठाने वालो छोड़ूंगा नहीं

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि कांग्रेस के कुछ नेता खुलेआम मेरी स्व-सहायता समूह की बहनों को चूल्हा बंद करने और उनके बच्चों को भूखा मारने की धमकी दे रहें हैं। श्री चौहान ने कहा कि दुश्मनी मुझ से है, मेरे बारे में कुछ भी कहों मैं बर्दाश्त कर लूंगा लेकिन मेरी बहनों और भांजे-भांजियों की तरफ किसी ने भी उंगली उठाने की कोशिश तो ऐसी गत होगी कि, ना जी सकोगे ना मर सकोगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि मेरी बहनों को धमकी दे रहे हो, ये मेरा परिवार है तुमने आज तक क्या किया है बहनों के लिए। कभी एक धेला नहीं दिया है, केवल उन्हें प्रताड़ित करने का ही काम किया है।

मामा होने का मतलब है निःशुल्क शिक्षा की गारंटी

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि मैं सामाजिक क्रान्ति के लिए काम कर रहा हूँ, मुझे जनता की जिन्दगी बदलना है, बच्चों का भविष्य बेहतर करना है। चाहे मेडिकल, इंजीनियरिंग की फीस हो चाहे किसी भी उच्च संस्थान में एडमिशन की फीस हो पूरी फीस माता-पिता नहीं बल्कि शिवराज मामा ही भरवायेगा, ये मेरी गारण्टी है। बच्चों का भविष्य बेहतर हो। किसी भी गरीब की जिन्दगी में ये दिन न आये कि वो कहे, काश मेरे पास पैसे होते तो मैं भी पढ जाता। मामा होने का मतलब है निशुल्क शिक्षा की गारण्टी। उन्होंने कहा कि, हर 25 गाँवों के बीच में एक सीएम राइज स्कूल बनाया जाएगा, जो प्राईवेट स्कूलों से भी बेहतर होगा।

धनतेरस पर खूब खरीदी करो बहनों

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने चुनावी सभा में बहनों से संवाद करते हुए कहा कि, लाड़ली बहना योजना बहनों की जिंदगी बदलने का अभियान है। किसी भी बहन की आंख में आंसु नहीं आने देंगे। फिलहाल योजना के तहत बहनों के खातों में 1250 रूपए आ रहे हैं, लेकिन आने वाले समय में इस राशि को पहले 1750, फिर 2000 और इसी तरीके से बढाते हुए 3000 रूपए किया जाएगा। साथ ही श्री चौहान ने कहा कि, इस बार 10 तारीख को धनतेरस है और इसलिए, हमने फैसला किया है कि, 7 तारीख को ही बहनों के खातों में किश्त डाली जाएगी।

22 अवैध एप और वेबसाइट पर लगा प्रतिबंध

नई दिल्ली। अवैध सट्टेबाजी मामले में केंद्र सरकार ने बड़ी कार्रवाई की है। इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय ने देश में अवैध सट्टेबाजी पर नकेल कसते हुए 22 अवैध एप और वेबसाइट पर प्रतिबंध का फरमान जारी किया है। अश्विनी वैष्णव के मंत्रालय से जारी प्रतिबंध आदेश के मुताबिक अवैध सट्टेबाजी के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले मोबाइल एप्लिकेशन (एप) और वेबसाइट को ब्लॉक किया जाएगा।

किन एप्स और वेबसाइट पर लगेगी पाबंदी?

इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय की तरफ से जारी बयान के मुताबिक महादेव बुक और रेड्डीअन्नाप्रिस्टोप्रो सहित 22 अवैध सट्टेबाजी एप और वेबसाइट्स को ब्लॉक करने के आदेश जारी किए गए हैं। यह कार्रवाई अवैध सट्टेबाजी ऐप सिंडिकेट के खिलाफ ईडी द्वारा की गई जांच और उसके बाद छत्तीसगढ़ में महादेव बुक पर छापे के बाद हुई है।

एप बैन करने के मामले में आईटी मंत्रालय का बयान

केंद्र सरकार के बयान के अनुसार इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा, छत्तीसगढ़ सरकार के पास आईटी अधिनियम की धारा 69ए के तहत वेबसाइट/ऐप को बंद करने की सिफारिश करने की पूरी शक्ति थी। हालांकि, उन्होंने ऐसा नहीं किया। अवैध सट्टेबाजी एप पर प्रतिबंध के लिए भूपेश बघेल की सरकार ने केंद्र सरकार से कोई अनुरोध नहीं किया।

छत्तीसगढ़ सरकार ने एप बंद करने की अपील नहीं की

राजीव चंद्रशेखर के मुताबिक, छत्तीसगढ़ सरकार का दावा है कि पिछले 1.5 वर्षों से महादेव एप मामले की जांच कराई जा रही है। ईडी से पहला और एकमात्र अनुरोध प्राप्त हुआ जिसका संज्ञान लेते हुए केंद्र सरकार ने प्रतिबंध लगाने की कार्रवाई की है। छत्तीसगढ़ सरकार को इसी तरह का अनुरोध करने से किसी ने नहीं रोका।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दावा किया है कि महादेव एप से सट्टेबाजी के सिलसिले में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को 508 करोड़ रुपये दिए गए हैं। बता दें कि ईडी की छापेमारी के बाद महादेव एप के गैरकानूनी संचालन का खुलासा हुआ था।

बता दें कि अवैध सट्टेबाजी के मामले में जिस महादेव एप की चर्चा हो रही है इसके मेन प्रमोटर छत्तीसगढ़ के सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल हैं। महादेव बेटिंग एप ऑनलाइन सट्टेबाजी के लिए इस्तेमाल किया जाता है। लगभग एक साल से इस मामले की जांच ईडी कर रही है।

सौरभ भारद्वाज सहित 17 एचयूटी आतंकियों के खिलाफ एनआईए ने पेश किया चालान

भोपाल। विदेश से संचालित होने वाले कट्टरपंथी संगठन हिज्ब उत तहरीर (एचयूटी) के कथित आतंकवादी भारत में हिंदू नेताओं की सभाओं और धार्मिक स्थलों पर बड़े धमाके करके देश को दहलाने की साजिश रच रहे थे। यह धमाके मध्यप्रदेश, तेलंगाना और छत्तीसगढ़ में हो रहे विधानसभा चुनाव से पहले करने की तैयारी कर रहे थे। इस संबंध में उनके आका विदेशों से उन्हें कोड वर्ड में संदेश देते थे। उच्च तकनीक का उपयोग कर ये आतंकवादी अपने आकाओं के लगातार संपर्क में रहते थे। यह भारत की सामाजिक समरसता और कौमी सौहार्द्र को बिगाड़ने का पूरा षड्यंत्र रच रहे थे।

अगर सुरक्षा एजेंसियां इन्हें गिरफ्तार नहीं करती तो ये सिलसिलेबार धमाके भी कर सकते थे। यह खुलासा जांच पूरी होने के बाद हुआ है। आतंकी गतिविधियों की जांच करने वाली एजेंसी एनआईए ने भोपाल के विशेष अदालत में एचयूटी के 17 कथित आतंकवादियों के खिलाफ चालान पेश कर दिया है। चालान में गिरफ्तार सभी 17 एचयूटी के मोडक सदस्यों को आरोपी बनाया गया है। इनके खिलाफ देश विरोधी गतिविधियों और धर्मांतरण सहित कई गंभीर अपराध करने की पुष्टि हुई है। एनआईए ने अपनी चार्जशीट में एचयूटी के आतंकवादियों द्वारा हिंदू नेताओं की सभाओं में बड़े बम धमाके करने और धार्मिक स्थलों को निशाना बनाकर उन्हें धमाके से उड़ाने और बड़ी संख्या में लोगों की जान लेने की योजना थी।

सड़क हादसे में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत

कोटा। राजस्थान के कोटा में रविवार शाम एक अज्ञात वाहन ने एक मोटरसाइकिल को पीछे से टक्कर मार दी। घटना में एक नाबालिग सहित एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, चेचट थाना क्षेत्र के रहने वाले चंद्रप्रकाश किराड, उनकी पत्नी धापू बाई और पोता दीपांशु माताजी मंदिर के दर्शन कर घर लौट रहे थे। उप-निरीक्षक शिवपाल जाट ने बताया कि चेचट थाना क्षेत्र के अंतर्गत राज्य राजमार्ग पर एक अज्ञात वाहन ने किराड की मोटरसाइकिल को पीछे से टक्कर मार दी, जिससे किराड, उनकी पत्नी और पोता गंभीर रूप से घायल हो गए। शिवपाल के अनुसार, तीनों घायलों को मोडक के एक अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पोस्टमार्टम के बाद शव पीड़ित परिवार के सदस्यों को सौंप दिए गए।

दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में से तीन भारत के, दिल्ली में हालात बेहद खराब

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली इन दिनों भारी वायु प्रदूषण से जूझ रही है और गैस चैंबर बनी हुई है। स्विस रूप आईक्यू एयर ने एक डाटा जारी किया है, उसके मुताबिक दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में दिल्ली के साथ ही भारत के कोलकाता और मुंबई जैसे शहर भी शामिल हैं। नई दिल्ली इस सूची में शीर्ष पर है और यहां एक्यूआई सुबह साढ़े सात बजे 483 दर्ज किया गया। इसके बाद पाकिस्तान के लाहौर शहर का नंबर है, जहां सुबह एक्यूआई 371 दर्ज किया गया। जानिए कौन-कौन से शहर हैं सबसे प्रदूषित

कोलकाता और मुंबई में एक्यूआई क्रमशः 206 और 162 रहा। आईक्यू एयर के डाटा के मुताबिक बांग्लादेश की राजधानी ढाका में एक्यूआई 189 रहा और पाकिस्तान के कराची में 162। चीन के शेनयांग शहर में सुबह एक्यूआई 159, हांगझू में भी 159, कुवैत में 155 और वुहान में 152 एक्यूआई रहा। दिल्ली में वायु प्रदूषण इतने खतरनाक स्तर पर पहुंच चुका है कि स्थानीय लोगों की आंखों में जलन और गले में परेशानी जैसी समस्याएं हो रही हैं। दिल्ली के कुछ इलाकों में एक्यूआई 500 के पार चला गया। बता दें कि 0-50 के बीच एक्यूआई को अच्छा माना जाता है। वहीं 400-500 के बीच का एक्यूआई सेहत के लिए काफी नुकसानदायक माना जाता है। जो लोग पहले से ही गंभीर बीमारी से जूझ रहे हैं, उनके लिए इतना प्रदूषण जानलेवा साबित हो सकता है। प्रदूषण को देखते हुए सरकार भी सक्रिय हो गई है और कंपनियों को उत्पादन रोकने के निर्देश दे दिए गए हैं। स्कूलों की छुट्टियां कर दी गई हैं। सभी निर्माण कार्य भी रोक दिए गए हैं और लोगों को सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करने की सलाह दी जा रही है। कई कंपनियों ने अपने कर्मचारियों को घर से काम करने की छूट दे दी है। दिल्ली में क्रिकेट विश्वकप के सोमवार को होने वाले मैच को लेकर भी आशंका पैदा हो गई है।

दिल्ली में प्राइमरी स्कूल 10 नवंबर तक बंद

देश की राजधानी दिल्ली में प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ता जा रहा है। ऐसे में दिल्ली में प्राइमरी स्कूल को 10 नवंबर तक बंद करने का फैसला लिया गया है। दिल्ली में पांचवीं तक के सभी स्कूल बंद रहेंगे। दिल्ली सरकार ने बढ़ते प्रदूषण को लेकर निर्णय लिया है।

गृह मंत्री अमित शाह ने सीएम नीतीश को पहले दिखाया लालू का डर

फिर बोले- जनादेश लेकर पलट जाते हैं

मुजफ्फरपुर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज बिहार दौरे पर आए। पिछले 50 दिन यह उनकी दूसरी यात्रा है। पटना एयरपोर्ट पर बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने अमित शाह का भव्य स्वागत किया। हालांकि, शाह यहां पर केवल 5 मिनट ही रुके। यहां से सीधे बीएसएफ के हेलीकॉप्टर से मुजफ्फरपुर के पताही एयरपोर्ट पहुंचे। शाह के पहुंचते ही भाजपा नेता भारत माता की जय की जयकारे लगाने लगे। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा बिहार की जनता का मैं धन्यवाद देना चाहता हूं, इस रैली को रैला बनाने के लिए। मैं सभी बिहार की जनता को छठ महापर्व की अग्रिम शुभकामनाएं देता हूं। गृह मंत्री ने कहा कि 2014 में बिहार की जनता की जनता ने 31 सीटें और 2019 में 39 सीटें मोदी जी को दी। 2024 में पूरे 40 के 40 सीट देकर भाजपा को आशीष दें। 2025 में बिहार में भाजपा की सरकार को अपना आशीष दें। मित्रों आपने जब जब एनडीए को आशीर्वाद दिया तब तब पलटू राम पलटी मार गए। आपके जानदेश का अपमान कर गए। उन्होंने लालू यादव से मिलकर सरकार बना ली। अब 2024 और 2025 में आशीर्वाद देकर भाजपा को विजयी बनाएं।

गृह मंत्री बोले- यह सर्वे छलावा है

वहीं जाति आधारित गणना की रिपोर्ट पर गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि यह सर्वे छलावा है। यादव और मुस्लिमों की आबादी को बढ़ाकर दिखाई गई और अति पिछड़े समाज की संख्या को काफी कम दिखाया गया है। अति पिछड़े समाज के साथ लालू-नीतीश की सरकार ने धोखा दिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने जाति गणना का समर्थन किया था लेकिन हमें नहीं पता था कि लालू-नीतीश की सरकार ने अति पिछड़े समाज के साथ धोखा करेगी। यह लोग कहते हैं जिसकी जितनी आबादी, उसकी उतनी हिस्सेदारी। ठीक है लालू जी तो क्या आप इसकी घोषणा करोगे कि आपके इंडी एलायंस से प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार अति पिछड़ा वर्ग का होगा। महागठबंधन सरकार पर गृह मंत्री अमित शाह ने तुष्टिकरण का आरोप लगाया है।

नीतीशजी, आपको किसी गत का नहीं छोड़ेंगे लालूजी

गृह मंत्री ने कहा कि मैं पलटू बाबू को कहना चाहता हूं कि आपने जनाद्रोह किया। लेकिन, मोदी जी की सरकार ने देश से आतंकवाद को उखाड़ने का काम किया है। राजद और जदयू धारा 370 हटाने के पक्ष में नहीं थे। उन्होंने धारा 370 हटाने पर कश्मीर में खून की नदियां बहने की बात कही थी। लालू जी खून की नदियां तो छोड़ो, एक कंकड़ तक अब तक नहीं चला। अमित शाह ने पूछा कि यह 2जी घोटाला करने वाला इंडी एलायंस चाहिए या 5जी देने वाली नरेंद्र मोदी की सरकार चाहिए? उन्होंने नीतीश कुमार तंज सकते हुए कहा कि आपको तो प्रधानमंत्री पद छोड़िए संयोजक तक नहीं बनाया गया।

इधर, कार्यक्रम के दौरान नेता प्रतिपक्ष विजय सिन्हा ने कहा कि आज बिहार में जंगलराज 2 का शासन चल रहा है। न पढ़ाई, न स्वास्थ्य मिली। बिहार में किसान परेशान हैं। अपराध चरम पर है। कानून का राज खत्म हो चुका है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार धृतराष्ट्र बन चुके हैं। रोज हत्या हो रही है, हत्यारों को संरक्षण महागठबंधन सरकार दे रही है। भ्रष्टाचार पर कार्रवाई नहीं हो रही है। गृह मंत्री अमित शाह महागठबंधन सरकार की विदाई का शंखनाद करने आए हैं। गृह मंत्री के कार्यक्रम को देखते हुए सारी तैयारी एक दिन पहले ही पूरी कर ली गई थी। सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम किए गए थे। गृह मंत्री अमित शाह रविवार सुबह 11ः45 बजे ग्वालियर एयरपोर्ट से पटना आए। दोपहर एक बजे वह पटना एयरपोर्ट पहुंचे। 1ः05 बजे गृह मंत्री बीएसएफ के हेलीकॉप्टर से मुजफ्फरपुर के लिए रवाना हुए। करीब 1ः40 बजे वह मुजफ्फरपुर के पताही एयरपोर्ट पहुंचे। अमित शाह लगभग 3 घंटे तक मुजफ्फरपुर में रहेंगे। कार्यक्रम का समापन कर वापस पताही एयरपोर्ट पहुंचेंगे। इसके बाद 3ः35 बजे पटना एयरपोर्ट

केरल सरकार के सुप्रीम कोर्ट जाने पर भड़के राज्यपाल

बोले- अगर किसी को संशय है तो...

तिरुवअनंतपुरम। केरल सरकार ने राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। इस पर राज्यपाल ने तंज कसा है। राज्यपाल ने तिरुवअनंतपुरम में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि अगर किसी को संशय है और वह सुप्रीम कोर्ट गए हैं तो इसका स्वागत होना चाहिए। संशय जल्द दूर हो जाएगा।

बता दें कि केरल सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में एक रिट याचिका दायर की है, जिसमें केरल सरकार ने आरोप लगाया है कि राज्यपाल कई विधेयकों को मंजूरी नहीं दे रहे हैं। केरल सरकार का कहना है कि राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान के पास आठ विधेयक लंबित हैं जिन्हें विधानसभा ने मंजूरी दे दी है लेकिन राज्यपाल की तरफ से अभी तक मंजूरी नहीं दी गई है। केरल सरकार की याचिका में आरोप है कि तीन विधेयक तो बीते दो साल से राज्यपाल के पास लंबित हैं।

संविधान के अनुच्छेद 200 के तहत राज्यपाल को मिली हैं शक्तियां

सुप्रीम कोर्ट में दायर की गई केरल सरकार की याचिका में कहा गया है कि सभी विधेयकों को समय से मंजूर करने और लोकतांत्रिक प्रक्रिया का पालन करने के लिए राज्यपाल बाधित हैं ताकि लोगों के कल्याण की योजनाएं समय से लागू हो सकें। याचिका में आरोप है कि राज्यपाल अपने कर्तव्य का पालन करने में विफल रहे हैं। बता दें कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 200 के तहत राज्यपाल के पास यह शक्ति है कि वह किसी विधेयक को राष्ट्रपति के विचार के लिए अपने पास रोके रख सकते हैं। हालांकि यह वित्त विधेयक नहीं होना चाहिए।

नेपाल में डरा रहे तबाही के मंजर

लोग कड़ाके की ठंड में सड़कों पर रात गुजारने को मजबूर

काठमांडु। नेपाल में शुक्रवार रात आए भूकंप के बाद तबाही के मंजर लोगों को डरा रहे हैं। यही वजह है कि पश्चिमी नेपाल के पहाड़ी इलाकों में लोग अभी भी कड़ाके की ठंड में सड़कों पर रात गुजार रहे हैं। दरअसल लोग भूकंप से इतना डर गए हैं कि अभी भी अपने घरों के भीतर जाने से डर रहे हैं। जाजरकोट जिले में नलगढ़ नगर पालिका में रहने वाले लोग अभी भी सड़कों पर रह रहे हैं। बता दें कि शुक्रवार की रात नेपाल की राजधानी काठमांडू से 500 किलोमीटर उत्तर पश्चिम में स्थित जाजरकोट और रुकुम जिले में आए भूकंप में अब तक 157 लोगों की मौत हो चुकी है। भूकंप में 253 लोग घायल भी हुए हैं। जाजरकोट जिला भूकंप का केंद्र था। साल 2015 में आए भूकंप के बाद यह नेपाल का सबसे खतरनाक भूकंप था। भूकंप के चलते हजारों घर तबाह हो गए हैं। नेपाल में भूकंप का अध्ययन करने वाले केंद्र नेशनल अर्थक्वेक मॉनिटरिंग एंड रिसर्च सेंटर का दावा है कि शनिवार से अभी तक नेपाल में 159 छोटे-बड़े झटके आ चुके हैं। नेपाल की सरकार भूकंप प्रभावित इलाकों में सैन्य हेलीकॉप्टर्स के जरिए राहत सामग्री की सप्लाई कर रही है।

विदेशी मदद नहीं लेगा नेपाल!

शनिवार को नेपाल के पीएम पुष्प कमल दहल प्रचंड ने भूकंप प्रभावित इलाकों का दौरा भी किया और भूकंप से हुए नुकसान का जायजा लिया। नेपाल की सरकार ने कहा है कि वह विदेशी मदद लेने के लिए अभी जल्दबाजी नहीं कर रही है और वह खुद इस आपदा से निपटने में सक्षम है। नेपाल सरकार के एक शीर्ष अधिकारी ने बताया कि देश इस संकट से निपटने में सक्षम है।

रविवार को नेपाल के पीएम पुष्प कमल दहल प्रचंड ने कैबिनेट की बैठक बुलाई और इस बैठक में भूकंप पीड़ितों को राहत और बचाव कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया। सरकार ने दोनों भूकंप प्रभावित राज्यों को 5-5 करोड़ रुपये की आर्थिक मदद देने का एलान किया है। नेपाल ने राहत और बचाव कार्यों में करीब 4000 जवानों को तैनात किया है।

सिन्हा ने भुवनेश्वर के कौशल विकास संस्थान का किया दौरा

भुवनेश्वर। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने ओडिशा के भुवनेश्वर स्थित कौशल विकास संस्थान का दौरा किया। उपराज्यपाल ने अधिकारियों, छात्रों और प्रशिक्षकों के साथ बातचीत की, जिन्होंने उन्हें भारतीय और वैश्विक जरूरतों के लिए उन्नत कौशल प्रशिक्षण और अग्रणी उद्योग के खिलाड़ियों के साथ साझेदारी में उत्कृष्टता केंद्रों के कामकाज के बारे में जानकारी दी। श्री सिन्हा ने कहा कि हमारे पास आर्थिक विकास को नई ऊंचाई देने के लिए स्किलिंग, री-स्किलिंग और अप-स्किलिंग में नेतृत्व करने का ऐतिहासिक अवसर है। उन्होंने मैकेनिकल, निर्माण, आईटी, आईटीईएस, विनिर्माण, इंटरनेट ऑफ थिंग्स और आतिथ्य जैसे विभिन्न डोमेन में उद्योग-संरेखित पाठ्यक्रमों पर चर्चा की।

राजनांदगांव में सीएम और रायपुर में कुमारी शैलजा ने जारी किया कांग्रेस का घोषणा पत्र

रायपुर। आज कांग्रेस का घोषणा पत्र जारी किया जाएगा। इसमें कई महत्वपूर्ण एलान किए जा सकते हैं। रायपुर समेत प्रदेश के पांचों संभागों में कांग्रेस का घोषणा पत्र एक साथ जारी किए जाएंगे। जानकारी के मुताबिक कांग्रेस का हर वर्ग से हजारों सुझाव मिले हैं, जिन्हें कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में शामिल किया है।पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए सीएम बघेल ने कहा कि वो नाम लेकर बीजेपी की गारंटियां पेश कर रहे हैं, हमारे घोषणा से बीजेपी घबरा गई है, उनके गारंटी पर कौन भरोसा करेगा? जुमलेबाजों की बातों पर विश्वास नहीं किया जा सकता।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा, साल 2018 के वादे सोच-समझकर पांच साल में 36 वादे किए थे। इनमें से 98 प्रतिशत वादे पूरे किए गए हैं। हालांकि, बीजेपी ने तीन बार फ्रंट पेज के 31 में से 25 वादे पूरे नहीं किए थे। पिछली बार हमने एक घंटे में किसानों का कर्ज माफ कर दिया था। 20 लाख किसानों के 10 हजार करोड़ रुपये हमने माफ किए। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने घोषणा पत्र जारी कर दिया है। जनता को लुभाने के लिए घोषणा पत्र में कई बड़े वादे किए गए हैं। कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ की जनता के लिए वादों की झड़ी लगा दी है। इस बार राज्य की जनता के लिए कांग्रेस जो वादे लेकर आई है उनमें मुफ्त बिजली, धान खरीदी को लेकर बड़ा फैसला और तेंदूपत्ता कारोबारियों के लिए भी बड़ा वादा शामिल है।

छत्तीसगढ़ कांग्रेस प्रभारी कुमारी शैलजा ने आज रविवार को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन में कांग्रेस का ÷भरोसे का घोषणा पत्र÷ जारी किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि जुमलेबाजी का शब्द जुड़ता है तो वह बीजेपी के साथ जुड़ता है। दावा करते हुए कहा कि हमने जो वादे किए थे, वो पूरे किए हैं। वहीं बीजेपी ने अपने 25 वादों को नहीं निभाया है। हमने सरकार बनते ही किसानों का कर्ज माफ किया। 20 हजार किसानों का 10 हजार करोड़ माफ किया है। बीजेपी मोदी का नाम लेकर मोदी की गारंटी दे रही है।

आगरा में दर्दनाक हादसा

बेटी को ट्रेन में बैठाने के बाद पिता का पैर ट्रैक में फंसा ऊपर से गुजरी ट्रेन

आगरा। ताजनगरी आगरा में रेलवे ट्रैक पर बहुत ही दर्दनाक हादसा हो गया है। जहां अपनी बेटी को राजा की मंडी स्टेशन छोड़ने गए पिता का रेलवे ट्रैक पर पैर फंस गया। जिसकी वजह से वह पटरी पर गिर गए। उनके ऊपर से एक ट्रेन गुजर गई। ट्रेन की चपेट में आने से उनका शरीर 2 हिस्सों में बंट गया। हादसे के बाद मौके पर हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर जीआरपी और आरपीएफ टीमें मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हाउस भेजा गया।

डॉ. लाखन सिंह गालव शहर के जाने माने वरिष्ठ लेप्रोस्कोपिक सर्जन थे। वह गैलाना रोड पर अशोक अस्पताल के पास रहते थे। उनका क्लीनिक आरबीएस डिग्री कॉलेज , बंगलियान क्वार्टर के पास कालोनी में था। वह एक निजी हॉस्पिटल में सेवाएं दे रहे थे। डॉ. लाखन सिंह गालव की बेटी केजीएमयू लखनऊ में एमबीबीएस की पढ़ाई कर रही हैं। रविवार सुबह साढ़े छह बजे डॉ. लाखन सिंह गालव अपनी बेटी को लखनऊ के लिए ट्रेन में बैठाने राजा की मंडी रेलवे स्टेशन पर गए थे। बेटी को ट्रेन में बैठाने के बाद उनका पैर रेलवे ट्रैक पर फंस गया। पैर फंसते ही वह गिर गए। इस दौरान वह ट्रेन की चपेट में आ गए। इससे उनका शरीर दो हिस्सों बंट गया। उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

हादसे की जानकारी मिलते ही जीआरपी और आरपीएफ और रेलवे के अधिकारी मौके पर पहुंचे। डॉ. लाखन सिंह गालव का शव रेलवे ट्रैक से हटाया गया। इसके बाद परिजनों को हादसे की सूचना दी गई। जिसके बाद परिजन मौके पर पहुंचे। डॉ. लाखन सिंह गालव का शव पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया गया।

आर्थिक संकट का इशारा

मुफ्त राशन योजना की अवधि बढ़ाने के मोदी सरकार के फैसले पर कांग्रेस का हमला

नई दिल्ली। मुफ्त राशन योजना कांग्रेस को रास नहीं आ रही है। कांग्रेस ने केंद्र पर हमला करते हुए कहा कि मुफ्त राशन योजना को अगले पांच वर्षों के लिए बढ़ाने का फैसला देश में लगातार उच्च स्तर के आर्थिक संकट और बढ़ती असमानताओं को इंगित करती है। मोदी सरकार पर हमला करते हुए कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया साइट पर पोस्ट किया। जिसमें पीएम मोदी द्वारा मुद्दे पर अपना रुख बदलने का भी आरोप लगाया।

पोस्ट करते हुए कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने पोस्ट लिखा, ज्यादातर भारतीयों की आय आवश्यक वस्तुओं की आसमान छूती कीमतों के अनुरूप नहीं है। अब ये नई घोषणा लगातार उच्च स्तर के आर्थिक संकट और बढ़ती असमानताओं का संकेत है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री ने घोषणा की है कि पीएम गरीब कल्याण योजना (पीएमजीकेवाई) को अगले पांच वर्षों तक बढ़ाया जाएगा।

जयराम रमेश ने कहा, पीएम मोदी ने पहले किया था विरोध

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने दावा किया कि गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने सितंबर 2013 में संसद द्वारा पारित राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) का लगातार विरोध किया था। जयराम रमेश ने कहा, पीएमजीकेवाई और कुछ नहीं बल्कि एनएफएसए है, जो पहले से ही 80 करोड़ भारतीयों को कवर करता है।

लखनऊ-अयोध्या हाइवे पर पड़ा रहा शव, रातभर रौंदते रहे वाहन.....

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बाराबंकी जिले में लखनऊ अयोध्या राष्ट्रीय राजमार्ग पर हादसे का शिकार हुए एक व्यक्ति के शव को रात भर गुजरने वाले वाहन रौंदते रहे और पुलिस ने रविवार सुबह मुश्किल से मार्ग पर फैले टुकड़ों को जैसे तैसे एकत्र किया। राजमार्ग पर बघौरा गांव के पास राहगीरों ने वीभत्स दृश्य को देखकर पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने यहां-वहां छितराये पड़े अंगों को बड़ी मुश्किल से एकत्र किया। व्यक्ति के कपड़ों के चीथड़ों को देखकर अनुमान लगाया जा रहा है कि मृतक कोई पुरूष था। हादसा रात में कब और कैसे हुआ यह पता नहीं चल सका है। सबसे बड़ी बात तो यह है कि हाईवे पर एंबुलेंस तैनात है।

विश्व कप पर प्रदूषण का साया

दिल्ली में रद्द हो सकता है श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच मैच

नई दिल्ली। विश्व कप का 38वां मुकाबला श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच खेला जाएगा। दोनों टीमों के बीच यह मैच नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जाएगा। श्रीलंका के लिए यह मैच करो या मरो वाला होगा। वहीं, बांग्लादेश की टीम जीत के साथ दो अंक हासिल करना चाहेगी। श्रीलंका सात मैच में दो जीत के साथ अंक तालिका में सातवें स्थान पर है। वहीं, बांग्लादेश सात मैच में दो जीत के साथ नौवें पायदान पर है।

श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच मुकाबले पर बारिश या आंधी-तूफान का साया नहीं है, लेकिन दिल्ली में प्रदूषण ने खिलाड़ियों की समस्या को बढ़ा दी है। वायु प्रदूषण के कारण सोमवार को होने वाले मुकाबले पर संदेह मंडरा रहा है। यह देखना होगा कि खिलाड़ियों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता दी जाती है या नहीं। राष्ट्रीय राजधानी में एक बार फिर जहरीली धुंध की मोटी परत छा गई है, जिससे दोनों टीमों को कम से कम एक बार अपना अभ्यास सत्र रद्द करना पड़ा है। दिल्ली की वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) गंभीर श्रेणी में है।

दिल्ली की वायु गुणवत्ता खराब

गुरुवार (दो नवंबर) से ही एक्यूआई 400 से ऊपर बना है। वायु गुणवत्ता प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली के अनुसार मंगलवार तक इसके गंभीर बने रहने की संभावना है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के

अनुसार रविवार सुबह एक्यूआई 457 रहा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने स्पष्ट कर दिया है कि मैच के बारे में फैसला मैच वाले दिन ही किया जाएगा। सोमवार को मैच अधिकारी वायु गुणवत्ता की जांच करेंगे।

क्या कहता है आईसीसी का नियम?

आईसीसी के खेल की परिस्थितियों से जुड़े अनुच्छेद 2.8 के अनुसार, अगर किसी भी समय अंपायर इस बात पर सहमत होते हैं कि मैदान, मौसम या रोशनी या कोई अन्य परिस्थितियां खतरनाक या अनुचित हैं, तो वे तुरंत खेल को निलंबित कर देंगे या खेल शुरू करने की अनुमति नहीं देंगे।

2017 में मास्क पहनकर उतरे थे लंकाई खिलाड़ी

यह पहली बार नहीं है, जब श्रीलंका को दिल्ली के वायु प्रदूषण से जूझना पड़ा है, इससे पहले खिलाड़ियों को 2017 में टेस्ट सीरीज के दौरान मास्क पहनना पड़ा था और मैच के दौरान कुछ खिलाड़ियों को उल्टी भी होने लगी थी। शुक्रवार को, बांग्लादेश के टीम निदेशक खालिद महमूद ने खुलासा किया कि कई क्रिकेटरों को खांसी की शिकायत हुई। शहर में बाहर निकलने के कारण प्रबंधन को पहला अभ्यास सत्र रद्द करना पड़ा। उस दिन हवा की गुणवत्ता और खराब होकर ÷अति गंभीर÷ श्रेणी में पहुंच गई थी।

दोनों टीमें इस प्रकार हैं:

बांग्लादेशः शाकिब अल हसन (कप्तान), लिटन दास (विकेटकीपर), तंजीद हसन तमीम, नजमुल हुसैन शान्तो (उपकप्तान), तौहीद हृदॉय, मुशफिकुर रहीम (विकेटकीपर), महमूदुल्लाह, मेहदी हसन मिराज, नसुम अहमद, महेदी हसन, तस्कीन अहमद, मुस्तफिजुर रहमान, हसन महमूद, शोरिफुल इस्लाम, तंजीम हसन साकिब।

श्रीलंकाः कुसल मेंडिस (कप्तान/विकेटकीपर), कुसल परेरा, पथुम निसांका, दुष्मंथा चमीरा, दिमुथ करुणारत्ने, सदीरा समरविक्रमा, चरिथ असलांका, धनंजय डी सिल्वा, महीश तीक्ष्णा, दुनिथ वेलालगे, कसून रजिता, एंजेलो मैथ्यूज, दिलशान मदुशंका, दुशान हेमंथा, चमिका करुणारत्ने।

नरेला में हुए विकास कार्यों के लिए रहवासियों ने विश्वास सारंग को धन्यवाद दिया

भोपाल। पहले फेज में सभी 17 वार्डों में घर-घर जनसंपर्क के बाद भोपाल की नरेला विधानसभा से भाजपा उम्मीदवार विश्वास सारंग ने अपना जनसंपर्क 2.0 शुरु कर दिया है. दूसरे फेज में सारंग उन इलाकों में जनसंपर्क कर रहे है जो पहले फेज में छूट गए थे. रविवार को उन्होंने वार्ड क्रमांक 76 में जनसम्पर्क किया. इस दौरान उन्हें लोगों का जबरदस्त समर्थन मिला. रहवासियों ने उनके द्वारा क्षेत्र में किए विकास कार्यों के लिए धन्यवाद दिया.

नेता नहीं नरेला का बेटा हूं : सारंग

इस दौरान विश्वास सारंग ने कहा, जनता ने हमारे विकास को शिरोधार किया है. मैंने पूरी कोशिश की है कि मैं सच्चे जनप्रतिनिधि के रूप में जनता के बीच में काम करूं. लोगों की शिकायत रहती है की चुनाव के बाद 5 साल तक क्षेत्र में विधायक नजर नहीं आते, लेकिन मैं लोगों को दिन में 5-5 बार क्षेत्र में नजर आता हूं. सारंग ने कहा, हमने नरेला में विकास के रिकॉर्ड तोड़े है. हमने नरेला के घर-घर में नरेला का पानी पहुंचाया, सड़कों का जाल बिछाया, नाले-नालियों का चैनलाइजेशन किया, बड़े-बड़े सामुदायिक भवन, फ्लाईओवर, स्कूल-कॉलेज, आईटी पार्क बनवाए. लेकिन मेरे लिए यह इतना महत्वपूर्ण नहीं है, मेरे लिए यह महत्वपूर्ण है की मैंने नरेला को एक परिवार बनाया. विश्वास सारंग यहां का नेता नहीं बेटा है. उन्होंने कहा, जनता से भाजपा को अपार समर्थन मिल रहा है. मध्यप्रदेश और नरेला में भाजपा को प्रचंड जीत मिलेगी.

सुबह जनसंपर्क की शुरुआत सारंग ने वार्ड 76 के रासलाखेड़ी स्थित दुर्गा मंदिर से की. सारंग जिस गली से निकले वहां के घरों की छतों से रहवासी उन पर फूलों की बारिश की। बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक हर कोई अपने घरों से निकल कर उनके स्वागत के लिए खड़े हो गए. महिलाओं ने उनकी आरती उतरती और तिलक लगाया. रहवासियों ने उनका जम कर ढ़ोल-ढामाकों के साथ स्वागत किया और क्षेत्र में हुए विकास कार्यों के लिए धन्यवाद दिया. इस दौरान उन्होंने सभी बुजुर्गों के पैर छू कर जीत का आशीर्वाद लिया.

यहां हुआ जनसंपर्क

दुर्गा मंदिर रासलाखेड़ी, विध्येश्वरी कॉलोनी की समस्त गलियां, रतन कॉलोनी, सलाखेड़ी की संपूर्ण गलिया, ग्वाल बाबा मंदिर, बैजनाथ सिटी, प्रजापति कॉलोनी, पीपुल्स कैंपस पर समाप्त हुआ।.

प्रत्याशियों के लिए अपनी आय और खर्च का लेखा-जोखा तैयार करना चुनौती

चुनाव में प्रत्याशी 40 लाख तक का खर्च वहन कर सकेगा

भोपाल। विधानसभा चुनाव की सरगर्मी अब तेज हो गई है। प्रत्याशियों द्वारा नामांकन फार्म भरना के जनसंपर्क शुरू कर दिया था। विधानसभा चुनाव में जिला निर्वाचन कार्यालय सख्ती से नियमों का पालन करवा रहा है। इस साल जिले की 7 विधानसभा सीट में खड़े होने वाले अभ्यर्थी के लिए गाइड लाइन जारी है। गाइड लाइन के अनुसार एक अभ्यर्थी 40 लाख रुपए तक का खर्च वहन कर सकेगा। इन खर्चों के लिए जिला निर्वाचन कार्यालय ने दल का गठन किया है। निगरानी दल अभ्यर्थी के रैली, सभा सहित कार्यकर्ताओं पर खर्च होने वाली राशि का ब्यौरे की स्वयं मॉनीटरिंग करेगा और उसके हिसाब-किताब का रजिस्टर भी बनाएगा। यदि अभ्यर्थी द्वारा चुनाव में किए गए खर्च का ब्यौरा दल के तो अभ्यर्थी को वह खर्च बताना हिसाब-किताब से मेल नहीं खाया होगा। जिला निर्वाचन ने खर्च को लेकर विभिन्न कैटेगरी में रेट तय कर दी है।

40 लाख रुपये खर्च कर सकता है प्रत्याशी

निर्वाचन आयोग से मिले निर्देशों के अनुसार, विधानसभा चुनाव के दौरान एक प्रत्याशी 40 लाख रुपये खर्च कर सकता है। पहले खर्च की यह सीमा 28 लाख रुपये थी। निर्वाचन खर्च की राशि तो बढ़ गई है, लेकिन इसका लेखा-जोखा रखना प्रत्याशियों के लिए सिरदर्द बन गया है। हालांकि, उम्मीदवारों को सिर्फ 10 हजार रुपये ही नकद खर्च करने की अनुमति होगी।

10 हजार के ऊपर करना होगा ऑनलाइनमाध्यम से भुगतान

चुनाव आयोग के निर्देश है कि उम्मीदवार जब अपना नामांकन आवेदन जमा करेंगे तो निर्वाचन अधिकारी द्वारा उनको रजिस्टर दिया जाएगा, जिसमें प्रत्याशियों को हर दिन का खर्च दर्ज करना होगा, जिसका बिल एवं पक्की रसीद भी साथ में रखनी होगी। प्रत्याशी सभी तरह के खर्च में नकद भुगतान सिर्फ 10 हजार रुपये तक ही कर सकते हैं। इससे ऊपर के खर्च के लिए चेक एवं ऑनलाइन माध्यम से भुगतान करना होगा।

कार्य देखने के लिए रखे प्रत्याशीयों ने सीए

चुनावी लेखा-जोखा रखने के लिए प्रत्याशी अपने सीए से संपर्क कर रहे हैं। कर विशेषज्ञ उन्हें इस संबंध में जाएगा। मार्गदर्शन देते है। वैसे तो सामान्य दिनों में भी इनके पास बड़ी संख्या में क्लाइंट रहते हैं, लेकिन चुनावी समय में इनका काम दोगुना हो गया है।

कांग्रेस ने मध्यप्रदेश में नया चोला पहनकर झूठी गारंटियां दीः अनुराग

भोपाल। मध्य प्रदेश में बीजेपी उम्मीदवारों के समर्थन में प्रचार करने आए केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कांग्रेस पर झूठ बोलने का आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस झूठी है। मध्यप्रदेश में अब चुनाव है तो कांग्रेस नया चोला पहनकर नई गारंटियां दे रही है।ठाकुर ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी झूठी है। उसकी गारंटियां भी झूठी हैं। कांग्रेस फेल, उसकी गारंटियां भी फेल। कांग्रेस ने हिमाचल में सात गारंटियों में से एक को भी पूरा नहीं किया। न 1500 रुपए बहनों के खाते में अभी तक आए न दूध का दाम 100 रुपए लीटर किया गया। मध्यप्रदेश में अब चुनाव है तो कांग्रेस नया चोला पहनकर नई गारंटियां दे रही है। किसानों का कर्ज माफी की गारंटी पूरी नहीं की गई। युवाओं को रोजगार नहीं दिया गया। जनता समझदार है, वो कांग्रेस के झांसे में नहीं आएगी। ठाकुर ने आगे कहा कि कमलनाथ सरकार ने 15 महीने के शासन काल में एक भी गारंटी को पूरा नहीं किया। राहुल गांधी ने मध्यप्रदेश में आकर कहा था कि सभी किसानों का कर्ज माफ कर दिया जाएगा। दो लाख का कर्ज माफ की गारंटी को पूरा नहीं किया गया। बेरोजगारी भत्ता देने की गारंटी भी फेल हो गई। यहां तक कि कांग्रेस ने प्रदेश में कन्यादान योजना तक में 51 हजार रुपए देने का वादा तक पूरा नहीं किया। बीजेपी की नीतियों की तारीफ करते हुए ठाकुर ने कहा कि मध्यप्रदेश में युवाओं को रोजगार देने की दिशा में कई सार्थक कदम बीजेपी सरकार ने उठाए। युवाओं को लर्निंग के साथ अर्निंग के तौर पर मुख्यमंत्री सीखो कमाओ योजना का लाभ युवाओं को मिल रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोरोना काल में केवल एक ही बात की चिंता की, कोई गरीब भूखा नहीं सोए। अब आने वाले पांच साल तक और 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन देने की घोषणा शनिवार को छत्तीसगढ़ में की है। उज्ज्वला योजना हो या किसानों के बैंक खाते में सीधे रुपए आने का, इसका फायदा मध्यप्रदेश की जनता को भी बड़े स्तर पर मिल रहा है।

शौर्य स्मारक के मुक्ताकाश सैन्य फिल्म एयर फील्ड अफ्लोड दिखाई जाएगी

भोपाल। शहर में कलात्मक, सांस्कृतिक, सामाजिक, खेल, धार्मिक आदि गतिविधियों का सिलसिला चलता रहता है। सोमवार 06 नवंबर को भी शहर में अनेक ऐसी गतिविधियों का आयोजन होने जा रहा है, जिनका आप आनंद उठा सकते हैं।

यहां हम कुछ ऐसे ही चुनींदा कार्यक्रमों की जानकारी पेश कर रहे हैं, जिसे पढ़कर आपको अपनी दिन की कार्ययोजना बनाने में आसानी होगी।

दीपमाला : जीपी बिड़ला संग्रहालय में दीपावली के उपलक्ष्य में चिरागों की दस्तान प्रदर्शनी दीपमाला का आयोजन किया जा रहा है। इसमें पीएचडी स्कालर खुशनूर अहमद का संग्रह है। समय सुबह साढ़े दस बजे से शाम पांच बजे तक है।

दीपोत्सव मेलाः मप्र हस्तशिल्प एवं हाथकरघा विकास निगम की ओर से गौहल महल में दीपोत्सव मेला का आयोजन किया जा रहा है। प्रदर्शनी में प्रदेश भर के शिल्पियों की सामग्री उपलब्ध है। दीपावली पर खरीदारी के लिए यहां बहुत कुछ है। समय दोपहर 12 बजे से रात आठ बजे तक है।

खादी महोत्सवः मध्य प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा भोपाल हाट परिसर, अरेरा हिल्स में खादी महोत्सव- 2023 का आयोजन किया जा रहा है। मप्र समेत 13 राज्यों के उत्पाद यहां आए हैं। प्रतिदिन शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रम का अयोजन किया जाता है। समय दोपहर एक बजे से रात नौ बजे तक है।

सैन्य फिल्म एयर फील्ड

अफ्लोड का प्रदर्शनः शौर्य स्मारक के मुक्ताकाश मंच पर शाम पांच बजे से सैन्य फिल्म एयर फील्ड अफ्लोड दिखाई जाएगी। भारतीय नौसेना के एयर क्राफ्ट करियर पर आधारित और फिल्म्स डिवीजन आफ इंडिया द्वारा प्रस्तुत इस फिल्म का निर्माण नील गोखले तथा निर्देशन शांति एस. वर्मा ने किया है।

मौसेरे भाई ने किया था दुष्कर्म

भोपाल। छोला मंदिर थाना पुलिस ने एक 16 वर्षीय किशोरी की शिकायत पर उसके मौसेरे भाई के खिलाफ दुष्कर्म, पोक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज किया है। पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। छोला मंदिर थाना पुलिस के मुताबिक क्षेत्र में परिवार के साथ रहने वाली किशोरी 10 वीं की छात्रा है। छात्रा ने शिकायत में बताया कि छह सितंबर को अपेन्डिक्स के आपरेशन के लिए उसकी मां एम्स में भर्ती हुई थी। उन्हें देखने के लिए सागर से उसकी मौसी, मौसाजी उनका बेटा और दादी उसके घर पर आए थे। सात सितंबर को मेरे पिता और मौसी अस्पताल में थे। बाकी लोग घर में थे। रात के समय वह घर के ऊपरी कमरे में सोने चली गई थी। उस दौरान मौसी के बेटे ने कमरे में घुसकर उसके साथ डरा धमकाकार दुष्कर्म किया था। साथ ही घटना के बारे में किसी को कुछ बताने पर मारने की धमकी दी थी। दो दिन बाद उन्होंने फिर मेरे साथ गलत काम किया। पिछले दिनों पेट में दर्द होने पर मां उसे अस्पताल ले गई। वहां डाक्टर ने जांच करने के बाद उसे गर्भ ठहरने की जानकारी दी। शिकायत के आधार पर दुष्कर्म का केस दर्ज कर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया गया है।

पुरानी रंजिश में किया गया था हमला, दो की हालत गंभीर

भोपाल। अरेरा हिल्स थानांतर्गत बाणगंगा चौराहा स्थित पीतल मंदिर के पास शनिवार रात बदमाशों के दो गुट आमने-सामने आ गए थे। इस दौरान एक गुट के चार बदमाशों ने दूसरे गुट के दो लोगों पर चाकू-छुरी से प्राणघातक हमला कर दिया। एक के पेट, पीठ, पैर और चेहरे पर चोट आई है, जबकि दूसरे की उंगलियों में चोट है। बदमाशों ने घायलों पर कार चढ़ाने का भी प्रयास भी किया था। पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ हत्या की कोशिश की एफआइआर दर्ज होने के बाद किसी की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। इस हमले में दो लोगों की हालत गंभीर है।

हम बता दें कि करीमबक्स कालोनी में रहने वाले मोहम्मद शाहरुख (27) शनिवार रात वह अपने दोस्त शाहिद के साथ वीआईपी रोड जाने के लिए निकला था। इसी बीच शाहरुख खान नामक युवक ने शाहिद को फोन किया और उसे मिलने के लिए बाणगंगा स्थित पीतल वाले मंदिर के पास बुलाया। दोनों के बीच पुराना विवाद चल रहा है, जिसमें राजीनामे को लेकर बातचीत करनी थी। शाहरुख खान के कहने पर शाहिद और मोहम्द शाहरुख बाणगंगा चौराहा पहुंचे। इस दौरान शाहरुख खान के साथ शातिर बदमाश पप्पू चटका, विक्की वाहिद और एक अन्य युवक मौजूद था। आमना-सामना होने पर दोनों पक्षों के बीच पुरानी बात को लेकर विवाद हो गया, जिस पर चारों बदमाशों ने मोहम्मद शाहरुख और शाहिद पर चाकू, छुरी से हमला कर दिया। इस दौरान चाकू लगने से शाहिद गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि बीच बचाव कर रहे मोहम्मद शाहरुख की उंगलियों में गंभीर चोट आई है। घटना के बाद चारों बदमाश मौके से भाग निकले।

नवंबर में भोपाल-इंदौर में मौसम का मिजाज गर्म रहने के आसार

भोपाल। नवंबर का पहला सप्ताह बीतने जा रहा है। इस सीजन में प्रदेश में अभी तक रात का तापमान 13 डिग्री सेल्सियस से नीचे नहीं पहुंच सका है। वर्तमान में हवाओं का रुख भी दक्षिणी, दक्षिण-पूर्वी बना हुआ है। इस वजह से जहां दिन में धूप में चुभन बढ़ गई है, वहीं, रात में भी अपेक्षाकृत ठंड नहीं पड़ रही है। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक, अलनीनो के प्रभाव से नवंबर में प्रदेश के उत्तरी क्षेत्र (ग्वालियर, चंबल संभाग) में रात का तापमान सामान्य एवं दक्षिणी क्षेत्र (भोपाल, इंदौर, नर्मदापुरम, जबलपुर संभाग) में रात का तापमान सामान्य से कुछ अधिक रहने की संभावना है। उधर, रविवार को प्रदेश में सबसे अधिक 34.4 डिग्री सेल्सियस तापमान मंडला में दर्ज किया गया। शनिवार-रविवार के बीच की रात को प्रदेश में सबसे कम 13.4 डिग्री सेल्सियस तापमान छिंदवाड़ा में दर्ज किया गया। छिंदवाड़ा सहित आठ शहरों रायसेन, राजगढ़, बैतूल, उमरिया, मलाजखंड, मंडला, खंडवा में रात का तापमान 15 डिग्री सेल्सियस से कम रहा।

कांग्रेस ने दतिया के साथ अन्याय कर पाप किया,उसे दंड भोगना होगा : डॉ नरोत्तम मिश्रा

डॉ नरोत्तम मिश्रा का ग्रामीण क्षेत्रो में धुंआ धार चुनाव प्रचार जारी,मिल रहा भारी जनसमर्थन

भोपाल। भाजपा प्रत्याशी व गृह मंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा ने रविवार को कांग्रेस पर बड़ा हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने दतिया वालो के साथ अन्याय कर जो पाप किया है उसका दंड जनता उसे जरूर देगी। कांग्रेस भ्रम फैलाकर सोच रही है कि वह इस पाप के दंड से बच जाएगी तो यह उसकी गलत फहमी है। डॉ मिश्रा ग्रामीण क्षेत्रों कि नुक्कड़ सभाओं को संबोधित कर रहे थे। डॉ मिश्रा ने सभा मे जन कल्याणकारी योजनाओं को लेकर भी ग्राम वासियों से सीधा संवाद किया।

डॉ मिश्रा रविवार को ग्रामीण क्षेत्र के ग्राम खटोला,राजा पुर,हमीर पुर,कला पुरम सहित अन्य क्षेत्रों में चुनाव प्रचार करने पॅहुचे ।डॉ मिश्रा के वहा पहुँचते ही ग्रामवासियों ने उनका भव्य स्वागत किया। ढोल- नगाड़ों के बीच डॉ मिश्रा को लोगो ने फूल मालाओं से लाद दिया।

डॉ मिश्रा कि नुक्कड़ सभाओं में भी भारी भीड़ देखी गयी

डॉ मिश्रा ने नुक्कड़ सभाओं को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस ने जितना अन्याय दतिया के साथ किया शायद ही किसी अन्य जिले के साथ किया होगा। यह जो कांग्रेस प्रत्याशी है राजेन्द्र भारती यह यहां 10 साल विद्यायक रहे। इनके पिता जी 25 साल यहां विद्यायक रहे। कुल 35 साल भारती परिवार ने यहां कि बागडोर संभाली। लेकिन दतिया के लिए किया क्या ?कुछ नही।

अरे बड़ी सुविधाएं देना तो दूर मूलभूत सुविधाओं तक के लिए दतिया वालो को तरसा दिया। न पीने के लिए साफ पानी दिया न चलने की अच्छी सड़क दी। बिजली कि हालात यह थी कि बिजली कब आएगी किसी को पता ही नही होता था।स्वास्थ्य का हाल यह था कि चार कमरों का अस्पताल था वहां भी डॉक्टर मिल जाय तो बड़ी बात होती थी। दतिया वालो कि ऐसी हालत कर रखी थी जैसे वह गुलाम हो। कांग्रेस ने उन्हें इंसान समझा ही नही। सुविधाए तो दी नही लेकिन गुंडा राज जरूर दिया।

दतिया वालो का जीना हराम करके रखा था। डकैत हजरत,हन्नी,राम बाबू का गिरोह ऐसे घूमता था जैसे उनका यहाँ राज हो। दिनदहाड़े गैंग वार में आधा दर्जन लोग मार दिए जाते थे। बड्डु रावत,राजू कुशवाह जैसे न जाने कितने लोगों को सरेआम मौत के घाट उतार दिया जाता था। दतिया कि सड़कों पर गुंडों कि हुकूमत चलती थी ।यह सब था कांग्रेस के कारण। दतिया कि इस हालत के जिम्मेदार ही वही थे, जो मुझे आज गाली देते घूम रहे है।

डॉ मिश्रा ने कहा कि कांग्रेस का दतिया के साथ अन्याय यही खत्म नही हुआ। 15 महीने जब कमलनाथ जी की सरकार रही तब भी कांग्रेस ने दतिया के अन्याय किया। दतिया कि 2600 करोड़ की नहर योजना कमलनाथ जी अपने छिंदवाड़ा ले गए। दतिया में नगर निगम बनाने का प्रस्ताव खारिज कर दिया ।पत्रकारिता विश्वविद्यालय खुलने नही दिया। रिंगरोड बनने का प्रस्ताव ही खारिज कर दिया ।दतिया के साथ इतना अन्याय करने वाले आज यह कह कर वोट मांगते घूम रहे है कि हमे वोट दो हम विकास करेंगे।

डॉ मिश्रा ने कहा कि कांग्रेस ने दतिया के साथ जो अन्याय७+ कर पाप किया है वह यहां की जनता भूली नही है। कांग्रेस को अपने पाप की कीमत चुकानी होगी ।दतिया कि जनता यहां एक बार फिर कमल का फूल खिलाकर कांग्रेस को उसके पापों कि सज़ा देगी

कांग्रेस ने केवल योजनाओं को बंद करने का काम किया

डॉ मिश्रा ने कहा कि 15 महीने कांग्रेस कि सरकार थी तो उसने केवल दो ही काम किये र्भ्ष्टाचार व जनहितैषी योजनाओं को बंद करना। डॉ मिश्रा ने लोगो को चेताते हुए कहा कि पिछली बार कि तरह इस बार गलती मत कर देना। कांग्रेस को वोट दिया तो यह सबसे पहले आपकी सभी योजनाओं को ही बंद करेंगे। न बहनों के खाते में पैसे आयंगे ओर न खेत वालो के बैंक में पैसे।

डॉ मिश्रा ने कहा कि कांग्रेस कभी विकास के मुद्दे पर चुनाव नही लड़ती। नही किया न। वो फिर आपके पास आएंगे लेकिन विकास कि बात नही करँगे,आपको भय व भ्रम में डालकर वोट मांगेंगे। लेकिन आपको इनके जाल में फंसना नही है ।आप भी जानते है भारती परिवार के लिए राजनीति सेवा का माध्यम नही केवल धंधा है। डॉ मिश्रा ने केंद्र व राज्य कि भाजपा सरकारों कि जन कल्याणकारी योजनाओं कि जानकारी भी उपस्थित लोगों से ली। उन्होंने महिलाओं से पूछा सभी को लाडली बहन योजना का लाभ मिल रहा है कि नही। सभी महिलाओं ने हाथ उठाकर %हा% बोला। उन्होंने किसानो से पूछा खातों में 10 हज़ार रुपए आ रहे है कि सभी किसानो के एक साथ %हा% से सभा स्थल गूंज गया ।डॉ मिश्रा ने कहा कि लाडली बहनों को 450 रुपए में गैस मिल रहा है यह सभी को पता है। लाडली आवास योजना भी लागू है एक भी बहन आने वाले दिनों में बिना आवास कि नही रहेगी ।हमे हर वर्ग की चिंता है,भाजपा सरकार ने ऐसा कोई वर्ग नही जिसकी जिंदगी में खुशहाली लाने का काम नही किया हो। हमने

संपादकीय

रफ्तार के हादसे

शायद ही कोई दिन ऐसा जाता होगा जब हम अखबारों में बड़े भीषण सड़क हादसों की खबरें न पढ़ते हों। हर साल डेढ़ लाख से अधिक निर्दोष लोग इन दुर्घटनाओं में मारे जाते हैं जो किसी परिवार की उम्मीद होते हैं। किसी घर की अर्थव्यवस्था की धुरी होते हैं। दरअसल, यह एक मौत नहीं होती, परिवार के कई लोग जीते-जी मर जाते हैं। परिवार के कुछ लोग जीवन पर्यंत इन हादसों से नहीं उबर पाते। बुधवार की मध्यरात्रि पंजाब में संगरूर के सुनाम-मैहलां रोड पर एक भीषण दुर्घटना में एक बच्चे समेत छह लोगों की मौत हो गई। प्रदूषण जनित धुंध, टैंकर की गति व कार की ओवरटेक करने की कोशिश में यह भयावह हादसा हुआ। इससे पहले पटियाला में एक हादसे में एक एमबीबीएस के छात्र का सिर धड़ से अलग होने के समाचार ने विचलित किया। परिवहन मंत्रालय की हालिया रिपोर्ट बढ़ते सड़क हादसों की हकीकत बयां करती है। यह बेहद चिंता की बात है कि 2022 में 2021 के मुकाबले सड़क हादसों में बारह फीसदी की वृद्धि हुई है। वहीं मरने वालों का प्रतिशत 9.4 फीसदी बढ़ा है। कितनी दुखद स्थिति है कि हर घंटे 53 दुर्घटनाएं होती हैं और हर घंटे 19 निर्दोष लोग मौत के मुंह में चले जाते हैं। विडंबना यह है कि घायलों की संख्या में भी पंद्रह फीसदी की वृद्धि हुई है। भारत दुनिया में ऐसा देश बनता जा रहा है जहां सबसे ज्यादा सड़क हादसे और मौतें होती हैं। विडंबना यह कि दुर्घटनाओं की मुख्य वजह वाहनों की तेज गति है। जैसे-जैसे बेहतर चौड़ी सड़कें बन रही हैं सड़क हादसों का आंकड़ा भी बढ़ता जा रहा है। यही वजह है कि सड़क दुर्घटनाओं में मरने वालों में भारत दुनिया में अव्वल बनता जा रहा है। दुखद स्थिति यह कि मरने वाले 45 फीसदी लोग दुपहिया वाहन चला रहे थे। जो बताता है कि हमारी सड़कों पर चलना कितना असुरक्षित बनता जा रहा है। कोई भी व्यक्ति राष्ट्र की बहुमूल्य संपत्ति होता है। इन दुर्घटनाओं में मरने वाले अधिकांश लोग हमारी कार्यशील आबादी का हिस्सा होते हैं। परिवहन मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार सड़क दुर्घटनाओं का शिकार होने वाले लोगों में 67 प्रतिशत लोग युवा आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं। जिनकी आयु 18 से 45 साल के बीच होती है। इन कामकाजी वर्ग के लोगों की मौत से इनका परिवार भी गहरे आर्थिक संकट में चला जाता है क्योंकि ये परिवार की आय का जरिया होते हैं। पिछले साल घायल होने वालों की संख्या में पंद्रह फीसदी की वृद्धि हमारी चिंता बढ़ाने वाली है। जाहिरा तौर पर इन हादसों के मूल में जहां तेज रफ्तार मुख्य कारण है, वहीं गलत ओवर टेकिंग, हेलमेट न लगाना, सीट बेल्ट न बांधना व रांग साइड चलना भी बड़ी वजह है। वहीं त्रुटिपूर्ण सड़कें, तीव्र मोड़ व सड़कों में गड्ढे भी हादसों की वजह बनते हैं। दरअसल, लगातार हाईवे और एक्सप्रेसवे बनने से वाहनों की रफ्तार खासी तेज हुई है। सरकारों की तरफ से लगातार दावे किये जाते हैं कि अब फलां जगह पहुंचना इतने घंटे कम हुआ। इस जल्दी ने चालकों को अनियंत्रित गति का थ्रिल महसूस करने का भी मौका दिया है।

सामूहिक जवाबदेही में प्रदूषण का समाधान

ज्ञानेन्द्र रावत

देश की राजधानी दिल्ली ही नहीं, सम्पूर्ण राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र भीषण प्रदूषण की चपेट में है। विडंबना है कि ग्रैप यानी ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान लागू होने के लगभग 30 दिन बाद भी प्रदूषण कम होने का नाम नहीं ले रहा। ग्रैप के नियम टूट रहे हैं, धुआं या धूल उड़ाने, कूड़ा जलाने, निर्माणाधीन इमारतों पर प्रदूषण फैलाने पर 200 से लेकर 50 हजार रुपये के जुर्माने की घोषणा के बाद भी एजेंसियां गंभीर नहीं हैं। इसका नतीजा खांसी, जुकाम, अस्थमा, सांस लेने में परेशानी, गठिया, जोड़ों के दर्द के रोगियों की अस्पतालों में बाढ़ आ गई है। डाक्टरों की मानें तो प्रदूषण धीमा ज़हर है। एम्स के रूमैटोलॉजी विभाग के अध्यक्ष डॉ. उमा कुमार एक शोध का संदर्भ देते हैं कि वातावरण में पीएम 2.5 का स्तर बढ़ने से शरीर में सूजन वाले मार्कर बढ़ जाते हैं। गठिया और आटोइम्यून बीमारी बढ़ जाती हैं। इसलिए गठिया के मरीजों को सतर्क रहना चाहिए। घर से बाहर निकलने पर मास्क का इस्तेमाल श्रेयस्कर है। इंटर्नल मेडिसिन के स्पेशलिस्ट डॉ. सुरनजीत चटर्जी के मुताबिक प्रदूषण के साथ अब सुबह ठंड का प्रकोप बढ़ना शुरू हो गया है। ठंड के साथ प्रदूषण बढ़ना ज्यादा खतरनाक है। इससे दिल की बीमारियां बढ़ जाती हैं। असलियत यह है कि सामान्य मास्क से वातावरण में मौजूद सूक्ष्म कण नहीं रुक पाते। अधिक प्रदूषित जगह पर प्यूरीफायर लगा लेना उचित रहता है। वायु गुणवत्ता सूचकांक यानी एक्यूआई के दावे कुछ भी किये जायें, हकीकत में ज़हरीली हवा में सांस लेना दिल्ली के लोगों की नियति बन चुकी है। मौसम विभाग और केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की मानें तो फिलहाल प्रदूषण में राहत मिलने के आसार न के बराबर हैं। बोर्ड के अनुसार देश के 227 शहरों के एयर इंडेक्स का जायजा लें तो ग्रेटर नोएडा, फरीदाबाद, गाजियाबाद, गुरुग्राम व नोएडा सबसे अधिक प्रदूषित हैं। इस दौरान वातावरण में पीएम-10 का स्तर 288 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर रहा जो सामान्य से तीन गुणा अधिक है। कहने को तो दिल्ली सरकार प्रदूषण रोकने की दिशा में ग्रीन एप के माध्यम से विशेष अभियान चलाने, ग्रैप के विभिन्न चरणों को लागू कर इसे कम करने, हरित क्षेत्र बढ़ाने को लाखों पेड़ लगाने, 1700 से ज्यादा कंपनियों में सीएनजी और पीएनजी का इस्तेमाल, दो कोयला आधारित संयंत्र बंद किये जाने और पड़ोसी राज्यों में पराली जलाये जाने से रोकने के लिए केन्द्र के साथ लगातार बैठकें करने और पराली गलाने को मुफ्त बायोडीकंपोजर का छिड़काव करवाने का दावा कर रही है। लेकिन सवाल यह कि इन कोशिशों के बावजूद प्रदूषण से दिल्ली वालों को राहत क्यों नहीं मिल रही है। लाख पाबंदियों और उपायों के बावजूद प्रदूषण के मामले में दिल्ली शीर्ष पर बनी है। डब्ल्यूएचओ की मानें तो दिल्ली वायु गुणवत्ता की सुरक्षित सीमा से 20 गुणा तक अधिक प्रदूषित है। विशेषज्ञों की मानें तो दिल्ली के बढ़ते प्रदूषण में पराली की अहम भूमिका है। बीते 48 घंटों में ही पंजाब और हरियाणा में पराली जलाने की सर्वाधिक घटनाएं हुई हैं। फिलहाल पंजाब-हरियाणा की ओर से दिल्ली में उत्तर पश्चिम दिशा से हवा चल रही है जो पराली जलाने का धुआं दिल्ली ला रही है। अगले 15 दिनों तक इन राज्यों में पराली जलाने की घटनाएं और बढ़ेंगी। नतीजन पराली का धुआं दिल्ली की ओर आयेगा और प्रदूषण बढ़ेगा। जबकि दिल्ली के उपराज्यपाल हरियाणा व पंजाब के मुख्यमंत्रियों से पिछले दिनों पराली का प्रदूषण रोकने का अनुरोध भी कर चुके हैं। आंकड़े बताते हैं कि इस साल 15 सितंबर से 11 अक्तूबर तक हरियाणा में पराली जलाने की 340 घटनाएं हुई जबकि पिछले साल इस दौरान 83 मामले सामने आये थे। पंजाब में इस अवधि में 1063 घटनाएं हुई जबकि पिछले साल इस अवधि में 763 घटनाएं हुई। इसी वजह से दिल्ली सरकार केन्द्र से उत्तर भारत के मुख्यमंत्रियों और पर्यावरण मंत्रियों की बैठक बुलाने की मांग कर रही है। आम आदमी पार्टी की मांग है कि बैठक में उन राज्यों के मुख्यमंत्रियों व पर्यावरण मंत्रियों को बताया जाये कि उनके प्रदेशों से किन-किन कारणों से दिल्ली में प्रदूषण फैल रहा है। यदि एनसीआर के सभी राज्यों में पराली जलाने की घटनाओं में कमी आ जाये तो दिल्ली में इसका सकारात्मक प्रभाव होगा। यह तभी संभव है जब संबंधित राज्यों के मुख्यमंत्री किसानों के साथ बैठक कर बातचीत के जरिये पराली जलाने की घटनाएं रोकने के बाबत प्रयास करें।

पहले चरण में बस्तर-दुर्ग से रण का आगाज़

छत्तीसगढ़ की नब्बे सीटों में बस्तर, दुर्ग की 20 सीटें आती हैं। बस्तर की बारह सीटों में 11 एसटी के तहत आती हैं। एक एसटी सीट दुर्ग की है। कहा यही जाता है कि छत्तीसगढ़ की सत्ता की चाबी बस्तर-दुर्ग से आती है। बस्तर दुर्ग का क्षेत्र अलग-अलग कारणों से हमेशा सुर्खियों में रहा है। सियासत में इसका महत्व रहा है। कभी बस्तर पर कांग्रेस का प्रभाव रहता था। फिर बीजेपी ने 2003 में इसमें सेंध लगाई। रमन सिंह के नेतृत्व में बीजेपी की सत्ता 15 साल बनी रही। एक बार फिर कांग्रेस ने इस चक्र को तोड़ा। छत्तीसगढ़ की सत्ता के साथ-साथ बस्तर दुर्ग में अपना प्रभाव बनाए रखने के लिए कांग्रेस-भाजपा में संघर्ष हो रहा है। बस्तर दुर्ग के इलाकों का सियासी महत्व इस बात पर भी है कि दुर्ग की राजनांदगांव की सीट पर बीजेपी नेता रमन सिंह चुनाव लड़ते हैं, वहीं चित्रकोट की प्रतिष्ठित सीट पर कांग्रेस ने अपने प्रदेश अध्यक्ष सांसद दीपक बैज को ही चुनाव में उतारा है।

वेद विलास उनियाल

एक तरह से पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव का आगाज छत्तीसगढ़ के बस्तर व दुर्ग की बीस सीटों के चुनाव के साथ ही हो जाएगा। पांच राज्यों में छत्तीसगढ़ अकेला राज्य है जहां दो चरणों में चुनाव है। जहां राजस्थान और मध्य प्रदेश जैसे बड़े राज्यों में एक ही दिन में चुनाव संपन्न होने हैं, वहीं छत्तीसगढ़ में सुरक्षा कारणों से 90 सीटों का मतदान दो अलग-अलग चरणों में है। वैसे सात नवंबर को मिजोरम में भी मतदान होना है। लेकिन चुनाव का खास फोकस छत्तीसगढ़ के बस्तर दुर्ग के इलाकों में है। यहां बस्तर की बारह और दुर्ग क्षेत्र की आठ सीटों पर मतदान होना है। बस्तर के सुकमा, दंतेवाड़ा, बीजापुर, नारायणपुर व कांकेर नक्सलवाद प्रभावित क्षेत्र रहे हैं। लेकिन धीरे-धीरे इसका प्रभाव कम होता दिख रहा है। इसे इन क्षेत्रों में बढ़ते मतदान प्रतिशत से भी देखा जा सकता है। जहां 2003 में बस्तर क्षेत्र में 65 प्रतिशत मतदान हुआ था, वहां पिछली बार 2018 में यहीं मतदान 75 प्रतिशत हुआ है। नब्बे के दशक में चालीस-पैंतालीस प्रतिशत मतदान भी बहुत मान लिया जाता था।

छत्तीसगढ़ की नब्बे सीटों में बस्तर, दुर्ग की 20 सीटें आती हैं। बस्तर की बारह सीटों में 11 एसटी के तहत आती हैं। एक एसटी सीट दुर्ग की है। कहा यही जाता है कि छत्तीसगढ़ की सत्ता की चाबी बस्तर-दुर्ग से आती है। बस्तर दुर्ग का क्षेत्र अलग-अलग कारणों से हमेशा सुर्खियों में रहा है। सियासत में इसका महत्व रहा है। कभी बस्तर पर कांग्रेस का प्रभाव रहता था। फिर बीजेपी ने 2003 में इसमें सेंध लगाई। रमन सिंह के नेतृत्व में बीजेपी की सत्ता 15 साल बनी रही। एक बार फिर कांग्रेस ने इस चक्र को तोड़ा। छत्तीसगढ़ की सत्ता के साथ-साथ बस्तर दुर्ग में अपना प्रभाव बनाए रखने के लिए कांग्रेस-भाजपा में संघर्ष हो रहा है। बस्तर दुर्ग के इलाकों का सियासी महत्व इस बात पर भी है कि दुर्ग की राजनांदगांव की सीट पर बीजेपी नेता रमन सिंह चुनाव लड़ते हैं, वहीं चित्रकोट की प्रतिष्ठित सीट पर कांग्रेस ने अपने प्रदेश अध्यक्ष सांसद दीपक बैज को ही चुनाव में उतारा है। बस्तर-दुर्ग के इन इलाकों में आदिवासी दलित मतदाताओं की संख्या को देखते हुए यूपी से उतरी पार्टी बसपा भी अपनी संभावनाएं देखती है और यहां की स्थानीय क्षेत्रीय पार्टियों के साथ गठबंधन करके चुनाव परिणामों को प्रभावित करने की कोशिश करती है। यही स्थिति आप पार्टी की भी है। वह भी इन क्षेत्रों को मथने का प्रयास कर रही है। बस्तर दुर्ग में जमीन, जंगल व कृषि के सवाल ही अहम रहे। सियासी दलों के गुणा-भाग भी इन्ही मुद्दों के आसपास रहे।

बस्तर क्षेत्र में कांग्रेस का प्रभाव रहा। पहले जनसंघ और फिर आपातकाल के बाद बनी भाजपा ने अविभाजित मध्यप्रदेश के इन दुर्गों को ढहाने की बहुत कोशिश की। लेकिन बस्तर कांग्रेस के प्रभाव में रहा तो दुर्ग के किले अजित जोगी ने थामें रखे। इससे पहले लंबे समय तक दुर्ग की सियासत पर कांग्रेस नेता मोतीलाल वोरा का प्रभाव बना रहा।

आखिर छत्तीसगढ़ बनने के बाद पहले चुनाव में बीजेपी ने बस्तर में कांग्रेस को पूरी तरह धराशायी कर यहां की सभी बारह सीटों पर जीत हासिल कर अपना परचम फहराया। बीजेपी को राज्य में जो 50 सीटें हासिल हुई थीं, उसमें एक-तिहाई से ज्यादा 15 सीटें इसी बस्तर-दुर्ग क्षेत्र से हासिल हुई थीं। डॉ. रमन सिंह के नेतृत्व में बीजेपी ने अगला विधानसभा चुनाव भी जीता। साथ ही बीजेपी के मत-प्रतिशत में भी बढ़ोतरी हुई। इस बार भी कांग्रेस नई बनी पंडरिया, खुज्जी, मोहला, मानपुर और कोंटा की सीट जीत सकी। लेकिन राजनादगांव की सीट रमन सिंह के सामने गंवा दी। वर्ष 2013 के चुनाव में डॉ. रमन सिंह के नेतृत्व में बीजेपी की हैट्रिक जरूर बनी। लेकिन कांग्रेस की चुनौती सामने आई। कांग्रेस ने बस्तर की आठ सीटें जीतीं। बीजेपी केवल चार सीट जीत सकी। भाजपा की दूसरे क्षेत्रों की सीटों के सहारे ही सरकार बनी। बीजेपी की सीटें लगभग पिछले आंकड़ों पर 49 बनी रहीं। 2018 में कांग्रेस ने 43 प्रतिशत मत लेकर 68 सीटें हासिल की। बीजेपी तब 15 में ही सिमट गई। कांग्रेस ने बस्तर की 12 में 11 सीटें हासिल कीं। बाद में उपचुनाव में कांग्रेस ने बारहवीं सीट भी हासिल कर ली। दुर्ग और बस्तर के किले ढह गए। इसे इस बात से समझा जा सकता है कि सीएम रमन सिंह की राजनांदगांव और दंतेवाड़ा की सीट ही बीजेपी बचा सकी। दरअसल, छत्तीसगढ़ के इस क्षेत्र में बीजेपी के लिए जो परिणाम 2013 में आए थे, उस संकेत को बीजेपी समझ नहीं पाई। आदिवासियों में जो नाराजगी थी उसे बीजेपी ने साधने की कोशिश नहीं की। खासकर नौकरशाही के प्रति लोगों की शिकायत का चुनाव पर सीधा असर पड़ा। कांग्रेस अपने मुद्दों को ज्यादा ठोस तरीके से जनता तक ले गई। तीन बार की सरकार का इंटर इनकम्बेंसी को भी कांग्रेस ने भुनाया। एमएसपी की कमजोर दरों को लेकर भी रोष रहा। माना गया कि वामपंथी ताकतों ने भी पूरा जोर बीजेपी को हराने और कांग्रेस को जिताने पर लगाया। पिछला चुनाव कांग्रेस ने बेहतर रणनीति के साथ लड़ा।

छत्तीसगढ़ में चुनाव के लिए पहले चरण में बीजेपी ने जहां पिछली गलतियों से सबक लेकर सावधानी से कदम उठाया है, वहीं कांग्रेस भूपेश बघेल सरकार की उपलब्धियों और योजनाओं का खाका जनता के सामने रख रही है। बस्तर-दुर्ग के इलाकों में जोरदार संघर्ष है। बीजेपी ने एक बार फिर आदिवासियों के क्षेत्र में पैठ बनाने की कोशिश की है। छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनाव के पहले चरण का रण बस्तर और दुर्ग के उन इलाकों में है, जहां बीजेपी अपने पुराने गढ़ों को फिर से पाने की मशक्कत कर रही है। बस्तर के क्षेत्र पर ध्यान दिया जा रहा है। बीजेपी ने चुनाव के लिए रमन सिंह को चेहरा तो नहीं बनाया लेकिन रमन सरकार के 15 सालों के काम भी गिनाए जा रहे हैं। साथ ही लोगों को बताया जा रहा है कि केंद्र में मोदी सरकार के चलते माओवादी हिंसा थमी है। इस बार इन क्षेत्रों में धर्म परिवर्तन का मुद्दा अंदर ही अंदर सुलग रहा है। बस्तर में बीजेपी ने चार पूर्व मंत्रियों को फिर से टिकट दिया है। बस्तर से बीजेपी ने आठ नए चेहरे मैदान में उतारे हैं। साथ ही प्रधानमंत्री मोदी सीधे अपने नाम पर वोट मांग रहे हैं। वहीं कांग्रेस के लिए बेशक राहुल गांधी-प्रियंका स्टार प्रचारक कहे जा रहे हों लेकिन असली कमान मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने ही थामी है। कांग्रेस ने भी हर वर्ग के मतदाताओं को साधने की कोशिश की है। सीएम बघेल अपने शासन की उपलब्धियों को जनता के सामने रख रहे हैं। इन क्षेत्रों में आदिवासियों को प्रभावित करने की कोशिश हुई हैं। तेंदुपत्ता खरीद दरों पर चार हजार रुपया प्रति बोरी बढ़ाया गया है। कांग्रेस की गारंटियों की भी खासी चर्चा है।

त्योहार का सीजन और प्याज की फितरत

जब सीजन त्योहारों का हो और दिवाली आ रही हो, तो भाई साहब आप ही बताइए कि बात मिठाइयों की होनी चाहिए या प्याज की? ठीक है बेरोजगारी है, महंगाई है, मान लिया। ऐसे में मिठाई की बात नहीं तो कम से कम मीठी-मीठी बात तो कर लो। वो बुजुर्गों ने कहा है न कि गुड़ नहीं तो गुड़ की-सी बात ही कर लो। त्योहारों का सीजन तो है ही है, पर यह चुनावों का सीजन भी तो है। ऐसे में पार्टियों के बीच में कड़वाहट हो तो हो, नेताओं में गाली-गलौज हो तो हो। परिवारों में दुश्मनियां पैदा हो रही हों तो हों। लेकिन जनता से तो सब मीठी-मीठी बात ही कर रहे हैं। पार्टियां हों, नेता हों, सब गुड़ की-सी बात कर रहे हैं। जनता को भी पता है कि गुड़ देगा कोई नहीं। जनता जानती है कि चुनावों के बाद यह सारी बिसात पूरी तरह पलट जाएगी। गालियां जनता के हिस्से आ जाएंगी और मीठा-मीठा सब नेताओं के परिवार वाले और मित्र गड़प करने लगेंगे। और सच पूछो तो यह बेरोजगारी और महंगाई कोई त्योहारों के सीजन के लिए ही तो है नहीं। बेशक नौकरियां स्थायी नहीं रही। लेकिन लगता है जैसे बेरोजगारी और महंगाई तो स्थायी हो ही गयी है। और दिवाली महंगाई का कोई पैमाना है क्या कि आपको दिवाली पर ही महंगाई दिखाई देगी, महसूस होगी। दिवाली आएगी तो सरकार के विरोधी कल्पने लगेंगे। विश्लेषक बाजार का विश्लेषण करने लगेंगे। टिप्पणीकार टिप्पणियां करने लगेंगे कि देखो बाजार में इस बार बिल्कुल भी रौनक नहीं है। खरीदारों की भीड़ ही नहीं है। अभी धनतेरस आने दो। सर्राफा बाजार बताएगा कि सोने की रिकॉर्ड बिक्री हुई है। रौनक क्यों नहीं है साहब। फिर भी लोगों ने महंगाई को दिवाली का पैमाना बना लिया है। कोई-कोई जलकुकड़ा बांग लगा देगा-सेठों की दिवाली है, पर जनता का तो दीवाला है। और इस बार तो हद ही हो गयी साहब दिवाली पर मिठाई तो आयी नहीं, देखो प्याज आ गयी।

टूट रहे हैं प्रदूषण के सारे रिकॉर्ड

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार इस साल अक्तूबर में दिल्ली में प्रदूषण का स्तर 2020 के बाद सबसे खराब स्तर पर था लेकिन नवम्बर की शुरूआत से ही प्रदूषण के सारे रिकॉर्ड टूट रहे हैं और दिल्ली में एक प्रकार से सांसों का आपातकाल सा दिखाई दे रहा है, जहां चारों स्मॉग की घनी चादर छाई है। यह चादर कितनी खतरनाक है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि सूर्य की तेज किरणें भी इस चादर को नहीं भेद पा रही हैं। करीब एक सप्ताह से देश के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की वायु गुणवत्ता सूचकांक में तेजी से गिरावट आई है। इस तरह की वायु गुणवत्ता को सेहत के लिए कई प्रकार से बेहद खतरनाक माना जाता है। दिल्ली के कई हिस्सों में तो वायु गुणवत्ता सूचकांक 800 के आंकड़े को भी पार कर चुका है, जो विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा निर्धारित सीमा से कई गुना ज्यादा है। विशेषज्ञों के मुताबिक अभी अगले 15-20 दिनों तक यहां ऐसी ही स्थिति बनी रह सकती है। वैसे तो दिल्ली के साथ-साथ देश के कई अन्य राज्यों में भी प्रदूषण का स्तर बढ़ रहा है....

योगेश कुमार गोयल

दिल्ली-एनसीआर की हवा में दीवाली से कुछ दिन पहले ही इस कदर जहर घुल चुका है और हवा इतनी दमघोंटू हो चुकी है कि लोगों को न केवल सांस लेना मुश्किल हो गया है बल्कि अन्य खतरनाक बीमारियों का खतरा भी बढ़ रहा है। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार इस साल अक्तूबर में दिल्ली में प्रदूषण का स्तर 2020 के बाद सबसे खराब स्तर पर था लेकिन नवम्बर की शुरूआत से ही प्रदूषण के सारे रिकॉर्ड टूट रहे हैं और दिल्ली में एक प्रकार से सांसों का आपातकाल सा दिखाई दे रहा है, जहां चारों स्मॉग की घनी चादर छाई है। यह चादर कितनी खतरनाक है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि सूर्य की तेज किरणें भी इस चादर को नहीं भेद पा रही हैं। करीब एक सप्ताह से देश के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की वायु गुणवत्ता सूचकांक में तेजी से गिरावट आई है। इस तरह की वायु गुणवत्ता को सेहत के लिए कई प्रकार से बेहद खतरनाक माना जाता है। दिल्ली के कई हिस्सों में तो वायु गुणवत्ता सूचकांक 800 के आंकड़े को भी पार कर चुका है, जो विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा निर्धारित सीमा से कई गुना ज्यादा है। विशेषज्ञों के मुताबिक अभी अगले 15-20 दिनों तक यहां ऐसी ही स्थिति बनी रह सकती है। वैसे तो दिल्ली के साथ-साथ देश के कई अन्य राज्यों में भी प्रदूषण का स्तर बढ़ रहा है और देश की आर्थिक राजधानी मुम्बई में भी वायु गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में दर्ज की जा रही है लेकिन दिल्ली पिछले कई वर्षों से दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में से एक बनी हुई है, जिसका सीधा सा अर्थ है कि करीब 3.3 करोड़ लोगों में वायु प्रदूषण के कारण होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं का गंभीर जोखिम बना हुआ है। लोगों की सांसों पर वायु प्रदूषण का खतरा इतना खतरनाक होता जा रहा है कि वैज्ञानिक अब दिल्ली में साल-दर-साल बढ़ते प्रदूषण के कारण बढ़ रहे स्वास्थ्य संबंधी गंभीर दुष्प्रभावों को लेकर चिंता जताने लगे हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अधिकारियों के मुताबिक आने वाले कुछ दिनों में दिल्ली-एनसीआर में वायु

गुणवत्ता बहुत खराब रहेगी, जिसका कारण तापमान में कमी और पराली जलाने से होने वाला उत्सर्जन है। केंद्र सरकार के डिसीजन सपोर्ट सिस्टम फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट (डीएसएस) ने पराली जलाए जाने की गतिविधियों में वृद्धि की आशंका जताई है, जिससे अगले कुछ दिनों में वायु गुणवत्ता बेहद खराब होने की आशंका है। चिंता का विषय यह है कि हर साल दिल्ली सहित, हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश इत्यादि राज्यों में इस सीजन में खेतों में बड़े स्तर पर पराली जलाई जाती है, जिसके चलते प्रदूषण का यही आलम देखने को मिलता है। यह बेहद चिंता की बात है कि किसानों से खेतों में पराली नहीं जलाए जाने के निरंतर अनुरोधों के बाद भी इस बार दशहरे के मौके पर तो जैसे किसानों में पराली फूंकने की होड़ सी लगी दिखी, वहीं करवा चौथ के मौके पर चांद के दीदार होते ही दिल्ली तथा पड़ोसी राज्यों में लोगों जमकर आतिशबाजी की, जिसने प्रदूषण की स्थिति को और विकराल बनाने में आग में घी का काम किया।

विकास के नाम पर अनियोजित तथा अनियंत्रित निर्माण कार्यों के चलते बिगड़ते हालात, खेतों में जलती पराली, खतरों को जानते-समझते हुए भी की जाने वाली भारी आतिशबाजी तथा वाहनों और औद्योगिक इकाईयों के कारण अत्यधिक प्रदूषित हो रहे वातावरण के भयावह खतरों को हम इसी प्रकार साल-दर-साल झेलने को विवश हैं। हालांकि पर्यावरण तथा प्रदूषण नियंत्रण के मामले में देश में पहले से ही कई कानून लागू हैं लेकिन उनकी पालना कराने के मामले में पर्यावरण एवं प्रदूषण नियंत्रण विभाग में सदैव उदासीनता का माहौल देखा जाता रहा है। देश की राजधानी दिल्ली तो वक्त-बेवक्त 'स्मॉग' से लोगों का हाल बेहाल करती रही है। न केवल दिल्ली-एनसीआर में बल्कि देशभर में वायु, जल तथा ध्वनि प्रदूषण का खतरा निरन्तर मंडरा रहा है। वायु, जल तथा अन्य प्रदूषण के कारण अब हर साल देशभर में लाखों लोग जान गंवाते हैं।

एक रिपोर्ट के मुताबिक मानव निर्मित वायु प्रदूषण के ही कारण प्रतिवर्ष करीब पांच लाख लोग मौत के मुंह में समा जाते हैं। अब देश का शायद ही कोई ऐसा शहर हो, जहां लोग धूल, धुएं, कचरे और शोर के चलते बीमार न हो रहे हों। देश के अधिकांश शहरों की हवा में जहर घुल चुका है। पयार्वरण तथा मानवाधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र के विशेष दूत डेविड आर. बॉयड का कहना है कि विश्वभर में इस समय छह अरब से भी ज्यादा लोग इतनी प्रदूषित हवा में सांस ले रहे हैं, जिसने उनके जीवन, स्वास्थ्य और बेहतरी को खतरे में डाल दिया है और सर्वाधिक चिंता की बात यह है कि इसमें करीब एक-तिहाई संख्या बच्चों की है। अपनी बहुचर्चित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' में मैंने विस्तार से बताया है कि वायु प्रदूषण न केवल फेफड़ों को बल्कि स्वास्थ्य को तमाम अन्य तरीकों से भी प्रभावित करता है। हवा की खराब गुणवत्ता के कारण अस्थमा, ब्रोंकाइटिस, और बैक्टीरियल संक्रमण के खतरे बढ़ सकते हैं। वायु की खराब गुणवत्ता व्यक्ति में ऑटिज्म, तनाव और स्ट्रोक जैसे तमाम न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर सहित अन्य बीमारियों को भी बढ़ावा देती हैं वायु प्रदूषण के कारण हवा में कई प्रकार की हानिकारक गैसें सम्मिलित हो जाती हैं, जिनसे सिरदर्द, खांसी, जुकाम और एलर्जी जैसी आम समस्याएं भी देखने को मिलती हैं। पर्यावरण, प्रदूषण और स्वास्थ्य पर विभिन्न प्रकार के प्रदूषण के भयावह खतरों के बारे में विस्तार से जानने के लिए 'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक को फ्लिपकार्ट https://www.flipkart.com/pradushan-mukt-saansein-environment-nature/p/itmcc~afzewb-wadfpid=9788193716816 से प्राप्त किया जा सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार वायु प्रदूषण के चलते दुनियाभर में प्रतिवर्ष करीब 70 लाख लोगों की असामयिक मृत्यु हो जाती है, जिनमें करीब छह लाख बच्चे भी शामिल होते हैं। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक वातावरण में बढ़ रहा वायु प्रदूषण लोगों के स्वास्थ्य के लिए काफी समस्यादायक स्थिति पैदा कर सकता है, जिससे रेसपिरेटरी, न्यूरोबिहेवियरल, कार्डियोवैस्कुलर तथा इम्यून सिस्टम से संबंधित बीमारियां हो सकती हैं। शिकागो विश्वविद्यालय के एनर्जी पॉलिसी इंस्टीट्यूट शिकागो (ईपीआईसी) के निदेशक और अर्थशास्त्र के प्रोफेसर माइकल ग्रीनस्टोन तथा उनकी टीम द्वारा किए गए एक अध्ययन के बाद कुछ समय पहले कहा जा चुका है कि भारत की कुल आबादी का बड़ा हिस्सा ऐसी जगहों पर रहता है, जहां पार्टिकुलेट प्रदूषण का औसत स्तर विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों से ज्यादा है। देश में करीब 84 फीसदी व्यक्ति ऐसी स्थानों पर रहते हैं, जहां प्रदूषण का स्तर भारत द्वारा तय मानकों से अधिक है और भारत की एक चौथाई आबादी बेहद प्रदूषित वायु में जीने को मजबूर है। चूंकि वायु प्रदूषण का प्रभाव मानव शरीर पर इतना घातक होता है कि सिर के बालों से लेकर पैरों के नाखून तक इसकी जद में होते हैं, इसीलिए शिकागो विश्वविद्यालय के माइकल ग्रीनस्टोन कहते हैं कि वायु प्रदूषण पर अब गंभीरता से ध्यान देने की जरूरत है ताकि करोड़ों-अरबों लोगों को अधिक समय तक स्वस्थ जीवन जीने का हक मिल सके।

जोड़ों और मांसपेशियों का बढ़ता दर्द

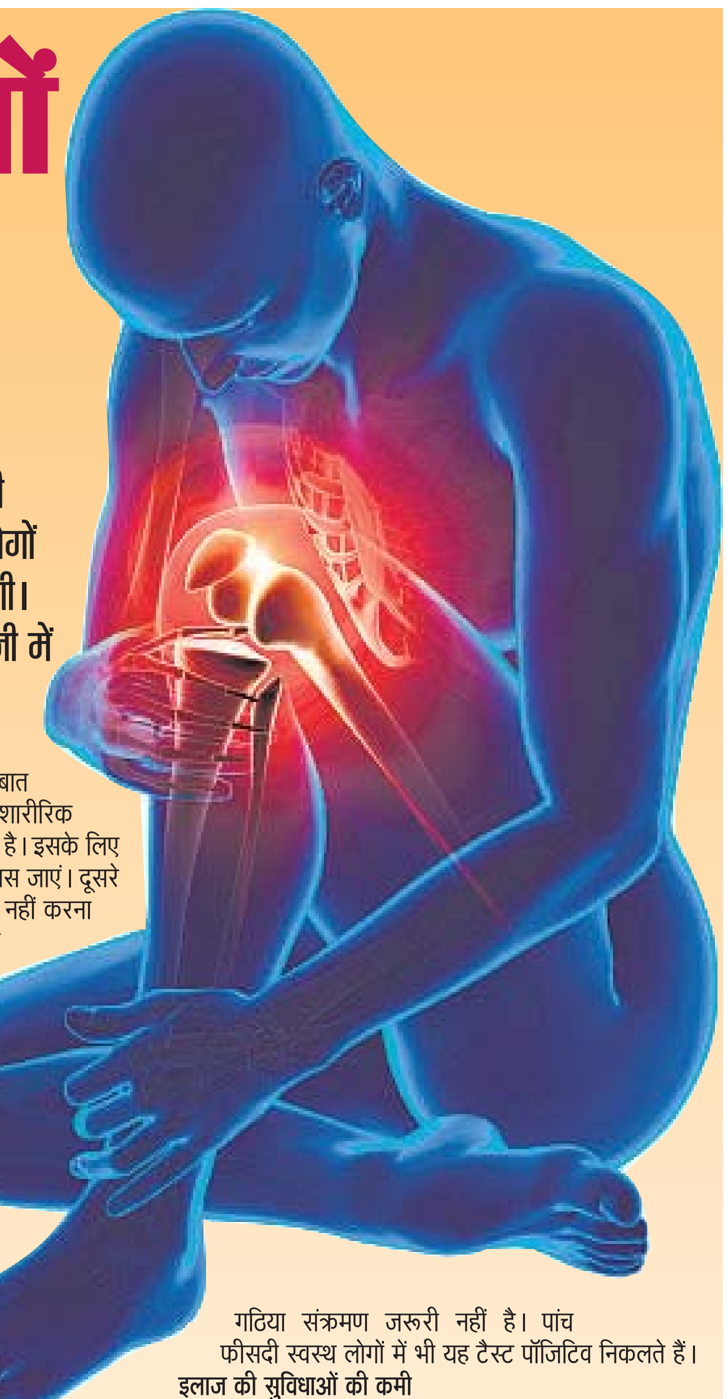

एक अध्ययन के मुताबिक 1999-2010 के बीच मांसपेशियों एवं जोड़ों में दर्द से जुड़ी बीमारियों में 45 फीसदी का इजाफा हुआ है। शोध बताते हैं कि भविष्य में मानसिक रोगों के बाद मांसपेशियों एवं जोड़ों में दर्द की बीमारी दूसरी सबसे बड़ी स्वास्थ्य समस्या होगी। समय पर सही जांच व उपचार के बारे में बता रही हैं एम्स के डिपार्टमेंट ऑफ रूमैटॉलजी में विभागाध्यक्ष - प्रोफेसर उमा कुमार

देश में जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां मधुमेह, रक्तचाप, दिल के रोग आदि बढ़ रहे हैं, लेकिन एक और बीमारी है, जो तेजी से अपने पैर पसार रही है। खेद की बात यह है कि इसकी ओर नीति-निर्माताओं का ध्यान भी कम है। यह रोग है मांसपेशियों एवं जोड़ों में दर्द से जुड़ा गठिया या आर्थ्राइटिस।

इसमें मांसपेशियों एवं जोड़ों में दर्द, सूजन, लालिमा पैदा होती है। इसके रोगी को उठने-बैठने, चलने-फिरने, झुकने या किसी खास किस्म का कार्य करने में तकलीफ होती है। इसे रूमैटिज्म या गठिया कहते हैं। गठिया की बीमारी करीब दो सौ किस्म की होती है। कई बार कई किस्म के बुखार या कभी-कभी मांसपेशियों के दबने या उन पर दबाव पड़ने की वजह से भी मांसपेशियों और जोड़ों में दर्द होता है। मोटे तौर पर यदि सुबह उठने के बाद आधे घंटे के भीतर शरीर की जकड़न दूर नहीं हो रही है तो यह गठिया के लक्षण हो सकते हैं।

गठिया क्यों बढ़ रहा है?

इसके लिए पर्यावरण से जुड़े कारण सबसे ज्यादा जिम्मेदार होते हैं। अध्ययन बताते हैं कि जहां प्रदूषण की समस्या ज्यादा गंभीर है, वहां गठिया ज्यादा हो रहा है। आर्थ्राइटिस आंतों में संक्रमण की वजह से भी होता है, जिसकी वजह दूषित खान-पान हो सकता है।

नए अध्ययन संकेत दे रहे हैं कि जीवनशैली भी इस बीमारी को बढ़ा रही है। ज्यादा खाने-पीने के कारण मोटापे की चपेट में आने, एक स्थिति में ज्यादा देर तक बैठे रहने, कंप्यूटर पर लंबे समय तक कार्य करने, कंधे व गर्दन के बीच मोबाइल दबा कर लंबे समय तक बात करने जैसी स्थितियों से भी मांसपेशियों एवं जोड़ों का दर्द होता है। हालांकि यह गठिया नहीं है, लेकिन इसके प्रभाव गठिया जैसे ही महसूस होते हैं। दूसरे ज्यादा उम्र वालों में ही नहीं, बच्चों व जवानों में भी गठिया हो रहा है।

प्रदूषण बड़ा कारक

गठिया को लेकर हमने एम्स की ओपीडी में आने वाले 300 मरीजों के आंकड़े जुटाए हैं। आरंभिक जांच में यह पाया गया कि जब दिल्ली में पीएम-2.5 की मात्रा हवा में ज्यादा पाई गई, तब गठिया के रोगी ज्यादा सामने आए। ऐसे मरीजों के आंकड़े एकत्र किए गए, जिससे यह बात सामने आती है कि जब हवा में पीएम-2.5 ज्यादा मात्रा में घुल जाते हैं तो यह सांस लेने के साथ शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। रक्त के साथ ये शरीर के सभी अंगों में पहुंचते हैं। इसी प्रक्रिया में पीएम-2.5 की मात्रा जोड़ों के ईद-गिर्द कोशिकाओं में रक्त एवं ऑक्सीजन के प्रवाह को बाधित करती है।

सही जांच जरूरी

मांसपेशियों एवं जोड़ों में दर्द की शिकायत आज आम बात हो गई है। शहरों में यह स्थिति ज्यादा गंभीर है, जहां शारीरिक गतिविधियां लोगों में कम हैं। इसलिए सही जांच जरूरी है। इसके लिए हड्डी रोग विशेषज्ञ की बजाय गठिया रोग विशेषज्ञ के पास जाएं। दूसरे बिना जांच के गठिया या आर्थ्राइटिस की दवा का सेवन नहीं करना चाहिए। इससे दवाओं के दुष्प्रभाव हो सकते हैं। स्टेरॉइड वाली दवाओं का तो सेवन कतई नहीं किया जाना चाहिए।

जरूरी है सही जांच

बीमारी का गलत इलाज ज्यादा घातक हो सकता है। हाल में एक व्यक्ति पीठ की दर्द की शिकायत के साथ पहुंचे। उन्हें डॉक्टर ने स्लिप डिस्क बता कर ऑपरेशन की सलाह दे दी थी। वह सेकेंड ओपिनियन के लिए आए थे। जांच के बाद पाया कि यह स्लिप डिस्क का मामला नहीं था और न ही गठिया का। उन्हें सिर्फ पीठ दर्द की शिकायत थी। वह हवाई यात्राएं व कंप्यूटर कार्य ज्यादा कर रहे थे, जिससे एक स्थिति में बैठने के कारण यह बीमारी हुई। हमने उन्हें कुछ व्यायाम बताए एवं हवाई जहाज में बैठते समय सावधानियां बरतने को कहा। छह-सात महीनों में जब वे दोबारा आए तो समस्या खत्म हो गई थी।

दूसरा, एक 23 वर्षीय महिला हाथों में आर्थ्राइटिस की समस्या लेकर आईं। वह आर्थ्राइटिस की दवा ले रही थीं। लेकिन हमने जब रिपोर्ट देखी तो उन्हें आर्थ्राइटिस नहीं था, बल्कि लिवर में कुछ समस्या थी, पर आर्थ्राइटिस की दवा देने के बाद उन्हें पीलिया ने पकड़ लिया था। एक अन्य मामले में एक 63 वर्षीया महिला नसों में सूजन के आर्थ्राइटिस से पीड़ित थीं, जिससे

उनके मुंह से खून आ रहा था, पर डॉक्टर टीबी की दवा दे रहे थे।

सिर्फ जांच ही काफी नहीं

यह देखा गया है कि अकसर लोग ईएसआर, सीआरपी जैसे टैस्ट पॉजिटिव निकलने पर उसे गठिया मान लेते हैं। यह सही नहीं है। यह शरीर में सिर्फ सूजन व संक्रमण दर्शाते हैं। यह हमेशा गठिया का पैमाना नहीं होता। इसी प्रकार रूमैटाइड फैक्टर (आरएफ) एंटी न्यूक्लियर एंटीबॉडीज (एएनए) के पॉजिटिव निकलने का मतलब भी गठिया संक्रमण जरूरी नहीं है। पांच फीसदी स्वस्थ लोगों में भी यह टैस्ट पॉजिटिव निकलते हैं।

इलाज की सुविधाओं की कमी

देश में 7 से 18 फीसदी आबादी के गठिया या मांसपेशियों से जुड़ी बीमारियों से ग्रस्त होने का अनुमान है, लेकिन इलाज की सुविधाएं बेहद कम हैं। रूमैटॉलॉजिस्ट की देश में सिर्फ 15 पोस्ट ग्रेजुएट सीटें हैं। देश में आधा दर्जन अस्पतालों में ही रूमैटॉलजी विभाग है। इसे गैर संचारी रोगों की श्रेणी में भी नहीं रखा गया है, इसलिए सरकारी नीतियों में इस बीमारी पर खास जोर नहीं है।

कुछ तथ्य

- यह नवजात शिशुओं से लेकर वृद्धों में पाया जाता है। मां से बच्चे में भी आ सकता है।
- स्त्रियां अधिक शिकार हैं। ताजा शोध बताते हैं कि युवाओं में भी इसके मामले बढ़ रहे हैं।
- ऑस्टियोआर्थ्राइटिस सबसे अधिक पाया जाने वाला गठिया है। गठिया होने पर रूमैटॉलॉजिस्ट से सलाह लें, हड्डी रोग विशेषज्ञ से नहीं। यह दवा से ठीक होने वाली बीमारी है, शल्य क्रिया से नहीं।
- दुनिया में प्रतिवर्ष आर्थ्राइटिस से सौ अरब डॉलर की क्षति होती है। करीब दस लाख लोग अस्पताल में भर्ती होते हैं और पांच करोड़ लोग ओपीडी में जाते हैं।

- (मदन जैड़ा से बातचीत पर आधारित)

सेहत के साथ कदमताल

मौजूदा दौर में हमारी लाइफस्टाइल ही कुछ ऐसी हो चली है कि कम उम्र मे ही कई स्वास्थ्य समस्याएं घेरने लगी हैं। जिन्दगी की भगमभाग में सेहत की संभाल कहीं पीछें छूट गयी है। ऐसे में निर्धारित दिनचर्या के अनुसार कसरक करना और खानपान का संयम रखना सबके लिए मुमकिन नहीं। कई सारी जिम्मेदारियां हैं जो ऐसे तयशुदा नियमों के आड़े आती हैं। नतीजा ये होती है कि सेहत खराब होती जाती है। इन हालातों में एक उपाय है जो कई समस्याओं से बचा सकता है। वो है पैदल चलना। आज की जद्दोजहद में खुद को बीमारियों से बचाना है तो पैदल चलना बेहद जरूरी है। हालांकि हम हमेशा से ही सुनते आये हैं कि पैदल चलना सेहत के लिए बहुत अच्छा है। लेकिन इसके कितने फायदे हैं इस बारे में अच्छे से नहीं जानते। यही कारण है आज की जीवनशैली में पैदल चलने की आदत ही छूट गयी है। अब इस ओर फिर लौटिये। खुद को बीमारियों से बचाइये और जारी रखिये सेहत की कदमताल

दिमाग के लिए फायदा

आज के तनाव भरे जीवन में मानसिक स्वास्य की देखभाल सबसे अहम है। हफ्ते में दो घंटे पैदल चलने से ब्रेन स्ट्रोक का खतरा 30 फीसदी कम हो जाता है। दिमागी सेहत के लिए इतना मुफीद होने बावजूद आजकल सभी पैदल चलने से कतराते हैं। सुबह-शाम की नियमित सैर करने से शरीर सक्रिय और मन प्रफुल्लित रहता है। नतीजतन बीमारियों की गिरफ्त में आने की आशंका कम होती है। पैदल चलने से कई तरह के विषैले तत्व बाहर निकलते हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि सिर्फ सैर करने से ही कसरत के 90 फीसदी फायदे मिल जाते हैं। डिप्रेशन व चिड़िचड़ापन कम होता है। अध्ययन बताते हैं कि जो महिलाएं नियमित सैर करती हैं उनमें कोलेन कैंसर की आशंका व्यायाम या सैर न करने वाली महिलाओं की तुलना में 31 प्रतिशत कम हो जाती है। इसीलिए कहा जाता है कि पैदल चलने का कोई विकल्प नहीं। अवसाद और तनाव पर विजय पाने का सबसे सरल तरीका है वॉकिंग। जो हमें कुदरत के भी करीब लाता है। नियमित सैर करने से सकारात्मक भावनाओं का संचार होता है जो सीधे-सीधे हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है।

याददाश्त बढ़ेगी

जब भी कुछ कदम चलने का मौका मिले उसे टालें नहीं। हो सके तो सुबह या शाम की सैर के लिए समय जरूर निकालें। क्योंकि विशेषज्ञों का मानना है कि हफ्ते में तीन बार 40-40 मिनट की चहलकदमी से दिमाग तेज होता है और याददाश्त बढ़ती है। इसीलिए शरीर और मन दोनों को चुस्त-दुरुस्त रखने के लिए चलना जरूरी है। खासकर सुबह की सैर सबसे अच्छी होती है क्योंकि उस समय पैदल चलने वाले ताजी हवा में सांस लेते हैं जो मानसिक तनाव कम करने और शरीर को फिट रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से याददाश्त को बढ़ाता है। एक शोध के अनुसार जो लोग नियमित रूप से पैदल चलते हैं उनमें बढ़ती उम्र के साथ याददाश्त कम होने और नींद ना आने जैसी समस्याओं की आशंका कम हो जाती है। साथ ही कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर पर काबू पाने में भी मदद मिलती है। पैदल चलना वाकई पूरी तरह कायाकल्प कर सकता है। वाकिंग करते समय खुली हवा में सांस लेने से शरीर को ज्यादा ऑक्सीजन मिलती है, जो मस्तिष्क की सोचने और विश्लेषण करने की क्षमता बढ़ाती है। इसमें कोई शक ही नहीं कि शारीरिक सक्रियता से दिमाग भी सक्रिय रहता है जो हमारी बौद्धिक क्षमता को बनाये रखने में अहम भूमिका निभाता है। आज के दौर में शारीरिक श्रम की कमी ने हमें जाने अनजाने कई बीमारियों का शिकार बना दिया है। ऐसे में हर दिन पैदल चलना सक्रिय रहने का सबसे आसान तरीका है जिसके अनगिनत लाभ भी मिलते हैं। अमेरिका के पिट्सबर्ग विविद्यालय के अध्ययनकर्ताओं के मुताबिक हर सप्ताह औसतन 8 किलोमीटर आराम से पैदल चलने या खुली हवा में रहने वाले लोगों की मस्तिष्क की कोशिकाओं का जीवनकाल लंबा होता है जिसके चलते उनकी याददाश्त लंबे समय तक बनी रहती है।

सुधरेगी मन की सेहत

पैदल चलना इंसानी शरीर की प्राकृतिक गतिविधि है। इसीलिए इसका असर केवल शरीर पर ही नहीं बल्कि मन पर भी पड़ता है। शोध बताते हैं कि दिन में 30 मिनट की कदमताल से डिप्रेशन का खतरा 36 फीसदी नीचे आ जाता है। आज के समय में हर कोई तनाव और अवसाद से जूझ रहा है। ऐसे में कुछ कदम चलना अगर तनाव से मुक्ति दिलाये तो इससे बेहतर और क्या हो सकता है? पैदल चलने से शरीर की भीतरी और बाहरी नकारात्मकता का खात्मा होता है। यानी तन और मन दोनों को स्वस्थ रखता है वॉकिंग। आमतौर पर पैदल चलना मजबूरी माना जाता है। जबकि सही मायने में देखा जाए तो वॉकिंग सेहत के हर पहलू पर सकारात्मक असर डालती है। यह एक कड़वा सच है कि हम जितनी सहूलियतों को जी रहे हैं उतने ही स्वास्य समस्याओं से घिर रहे हैं। सुबह की सैर मन को प्रकृति से जोड़ती है। मेंटल हेल्थ एंड फिजिकल एक्टिविटी पत्रिका में छपी एक रिसर्च के मुताबिक अवसाद को कम करने में सुबह की सैर की अहम भूमिका है। यही वजह है कि विशेषज्ञ मानते भी हैं कि स्वस्थ एवं तनावरहित रहने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को रोज कुल मिलाकर कम से कम 30 मिनट तेज गति से टहलना ही चाहिए।

हड्डियों की मजबूती

चलना न केवल स्फूर्तिदायक है बल्कि शरीर की हड्डियों को मजबूती भी देता है। हफ्ते में चार घंटे चलने से हिप फ्रैक्चर का खतरा 43 प्रतिशत कम हो जाता है। इतना ही नहीं हड्डियों और मांसपेशियों में तकलीफ होने पर भी पैदल चलना एक कारगर उपाय है। इससे शरीर एक्टिव रहता है । पैदल चलते रहने से बॉडी के ज्वाइंट्स जाम नहीं होते। शरीर की इस गतिशीलता के चलते जोड़ों में होने वाले दर्द में राहत मिलती है और शरीर की कार्यपण्राली में भी सुधार होता है। ये तो सभी जानते हैं कि वॉकिंग वजन घटाने में प्रभावी ढंग से काम करता है। इससे हड्डियों और मांसपेशियों को बिना नुकसान पहुंचाये वजन कम किया जा सकता है। क्योंकि यह सबसे आसान और बेहतरीन कसरत है। - चैतन्या

ताकि सांसों में बनी रहे ताजगी

यदि किसी से वार्तालाप करते समय आपके मुंह से अथवा आपके सामने वाले व्यक्ति के मुंह से बदबू आ रही हो, तो उस वक्त आपका उसका व्यक्तित्व कैसा प्रदर्शित होगा, इसे बतलाने की आवश्यकता नहीं है। यह हमारी शारीरिक स्वच्छता एवं स्वास्य के प्रति लापरवाही दिखलाती है। सांस की बदबू से पीड़ित व्यक्ति हमेशा हीनभावना से ग्रस्त रहते हैं तथा किसी से भी देर तक खुलकर बात नहीं करता है। आजकल सांस की बदबू आम समस्या बन चुकी है।

सांसों की बदबू के कुछ कारण मुंह से संबंधित तथा कुछ पेट की बीमारी, अपच, गुर्दे के रोग, टांसिल, मधुमेह, फेफड़ों के रोग, नाम एवं गले की बीमारियों से संबंधित होते हैं। मुंह की दुर्गन्धता के प्रमुख कारण मुंह, दांतों एवं जीभ की उचित तरह से साफ-सफाई न होना है। हमारे मुंह के अंदर दांतों के बीच बहुसंख्या में जीवाणु (बैक्टीरिया) रहते हैं, दांतों की समुचित सफाई न होने पर ये जीवाणु प्रभावी हो जाते हैं तथा तीक्ष्ण दुर्गन्ध युक्त गैसें पैदा करते हैं। इन गैसों में हाइड्रोजन सल्फाइड और मेथिल मारकैप्टन प्रमुख हैं। इन गैसों को पैदा करने वाले जीवाणुओं की वृद्धि आक्सीजन की अनुपस्थिति में होती है। मुंह की लार में ऑक्सीजन की प्रचुरता होती है, अतः लार से भरे मुंह में जीवाणुओं का पल्लवन तीव्रता से नहीं हो पाता है। सोते समय अथवा उपवास के समय जब लार का उत्सर्जन मंद हो जाता है, तब जीवाणु अतिसक्रिय हो जाते हैं तथा उनकी संख्या में तेजी से वृद्धि होती है। इसी कारण सुबह बासी मुंह से तीव्र दुर्गन्ध आती है। जैसे-जैसे हमारी आयु बढ़ती जाती है, मुंह में लार का उत्सर्जन धीमा होता जाता है। इसी कारण बच्चों की अपेक्षा युवाओं एवं प्रौढ़ों में सांस की बदबू की समस्या अधिक पायी जाती है। मदिरापान, धूम्रपान, भूख लगना, बहुत बोलना, व्यायाम करते समय मुंह से सांस लेना अथवा नाक के बंद होने पर मुंह से सांस लेना, किसी दवा के दुष्प्रभाव इत्यादि के कारण भी मुंह में शुष्कता आती है, जिससे सांसों में बदबू आने लगती है।

कुछ तय-

1-यदि दांतों की सही ढंग से सफाई न की जाए तो दांतों पर पीलापन लिये हुए चिपचिपा पदार्थ जमा होने लगता है, जिस पर जीवाणुओं का प्रभाव हो जाता है, जिसे ''प्लाक' कहते हैं। इसी से मुंह में दुर्गन्ध पैदा होने लगती है। प्याज, लहसुन आदि खाने से भी सांसों में बदबू आने लगती है। उपवास एवं अत्यल्पाहार (डाइटिंग) से भी मुंह में दुर्गन्ध पैदा होने लगती है, क्योंकि ऐसी अवस्था में लार का उत्सर्जन मंद हो जाता है जिसके कारण मुंह में शुष्कता आ जाती है। इसके अलावा वसा ह्रास से तीखी गंध वाली एसीटोन गैस बोलते वक्त निकलती है। अतः उपवास एवं अत्यल्पाहार काल में मुंह की सफाई का विशेष ध्यान रखना चाहिए, साथ ही तरल पदार्थो- जल, रस, सूप आदि का सेवन करते रहना चाहिए ताकि मुंह सूखा न रहे तथा लार का प्रभाव बना रहे।

2-सांस की बदबू पर विजय पाने के लिए प्रातःकाल मंजन, ब्रश आदि करने के बाद ही कुछ खाना चाहिए। कुछ भी खाने के बाद मुंह को भलीभांति कुल्ला करके साफ करना चाहिए। भोजनोपरांत नियमित रूप से ब्रश आदि करना चाहिए। दांतों तथा मसूढ़ों में फंसे भोजन के कणों को बाहर निकालने के लिए ''वाटर स्प्रे' का प्रयोग भी किया जा सकता है। नीम, बबूल, आदि की दातून करना अति लाभकारी होता है।

3-मुंह की शुष्कता से पीड़ित व्यक्ति को लार का उत्सर्जन बनाए रखने के लिए मुंह में लौंग, इलायची, सौंफ, मिश्री, च्यूइंगम, टॉफी इत्यादि डाले रहना चाहिए। बीच-बीच में पानी या फलों का रस पीते रहने से भी मुंह लार से तर रहता है। उपवास, अत्यल्पाहार एवं मुंह की शुष्कता के समय नींबू पानी का सेवन अति उत्तम है, क्योंकि नींबू पानी की रासायनिक अभिक्रिया लार ग्रंथियों को सदैव सक्रिय रखती है जिसके लार का उत्सर्जन होता रहता है।

4-मुंह की दुर्गन्ध हटाने के लिए रासयनिक मुंहधावनों (माउथवाष) का इस्तेमाल कम करना चाहिए। क्योंकि ये मुंहधावन केवल अपनी सुगंध से सांस की दुर्गन्ध को दबाते हैं, न कि मिटाते हैं। परीक्षणों से पता चला है कि किसी भी प्रकार के रासायनिक मुंहधावन का प्रभाव मात्र डेढ़-दो घंटे ही रहता है, लेकिन इसका अल्कोहल मुंह की शुष्कता को बढ़ाता है। सामान्यतया मुंहधावन दांतों और मसूढ़ों पर प्लाक की मोटी परत के नीचे नहीं पहुंच पाता है, जहां बदबू पैदा करने वाले जीवाणु छिपे रहते हैं।

5-मुंह की दुर्गन्ध से छुटकारा पाने के लिए तुलसी की पत्तियों का सेवन भी लाभकारी है। कुछ खाने-पीने के पश्चात तीन-चार पत्तियां तुलसी की चबा लेने से सांस की बदबू पर काबू पाया जा सकता है। एक चम्मच अदरक के अर्क को एक कप गुनगुने पानी में मिलाकर सुबह-शाम गरारा करने से मुंह की दुर्गन्ध समाप्त हो जाती है। लससुन, प्याज आदि खाने के बाद थोड़ी सी हरी धनिया की पत्तियां चबाने से मुंह तरोताजा और दुर्गन्ध रहित रहता है। अनार के छिलकों को पानी में उबाल लें फिर पानी को छानकर किसी बर्तन में रख लें, सुबह शाम इस पानी की उचित मात्रा लेकर गुनगुना कर गरारा करने से मुंह की दुर्गन्ध दूर होती है। लौंग, इलायची, सौंफ आदि से मुंह में दुर्गन्ध नहीं पैदा होने पाती, साथ ही मुंह सुवासित रहता है।

- नीरज पाण्डेय

शहर के वार्ड क्रमांक 5 की सभ्य कॉलोनी सहित अन्य कई इलाकों में शराब और जुँए अड्डे हो रहे सक्रिय

महिलाएं बोली हर किसी के घर में घुस रहे शराबी स्थानीय पुलिस की भूमिका पर सवाल

आमला। अरे सर पुलिस कुछ नहीं करती है उनकी भी मिलीभगत है तभी तो शहर की सभ्य कॉलोनी में वर्षों से चंद बेगैरत लोग शराब और जुए के अड्डे चला रहे हैं, लेकिन सर हम महिलाओं की दिक्कत ये है कि अब ये असामाजिक लोग वक्त -बेवक्त आसपास के घरों में भी घुसने लगे हैं, जिससे हमारा जीना हराम हो गया है यह महज शिकायत नहीं बल्कि एक पीड़ा है शहर की उन सभ्य कॉलोनी में निवास करने वाली महिलाओं की जहां चंद बैगैरत लोग वर्षों से अवैध शराब और जूँए के अड्डे संचालित कर रहे हैं किंतु उन पर अभी तक कोई कार्यवाही नहीं की गई है, जिससे लोग खासे परेशान हो रहे हैं, जिस तरह से शहर और आसपास के इलाकों में अवैध गतिविधियों की शिकायतें बढ़ रही है उसे निश्चित ही पुलिस की गरिमा और विश्वसनीयता पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

जिस तरह से हमारे पास जानकारी आई है उसमे शहर के बेहद सभ्य कॉलोनी में शुमार वार्ड क्रमांक 5 स्थित राम मंदिर चाल और उसके आसपास के इलाकों में बीते कई वर्षों से बड़े पैमाने पर अवैध शराब का कारोबार किया जा रहा है, जैसा कि हमें यहां के लोगों ने बताया है कि पुलिस की निष्क्रियता के चलते अब इन इलाकों में माहौल इतना खराब होता जा रहा है कि शराबी अब आसपास के लोगों के घरों में भी घुसकर अभद्रता करने लगे हैं जिससे महिला सुरक्षा को लेकर भी चिंताएं बढ़ गई है बताया गया है कि यहीं पर जुए के अलावा अन्य कई अवैध कारोबार भी बेखौफ संचालित कियें जा रहे हैं। जिससे लोग परेशान है,असुरक्षित हैं,महिला सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं, किंतु पुलिस मस्त और सुस्त भी दिखाई दे रही है। इस समय विधानसभा चुनाव को लेकर आचार संहिता भी चल रही है जिसके चलते जिला स्तर के कई बड़े अधिकारियों का यहां आना-जाना भी रहता है अब देखना यह है कि जिला प्रशासन ऐसे मामलों में कितनी गंभीरता रखता है।

ग्रामीण इलाकों में भी सब कुछ धड़ल्ले से

अब इसे पुलिस की निष्क्रियता कहे या फिर संलिप्तता अवैध धंधो ने रफ्तार तो जरुर पकड़ी है। शहर के वार्ड क्रमांक 5, 6, 10 सहित भीमनगर, बोड़खी और आसपास के कई ग्रामीण इलाकों में भी इन दिनों अवैध शराब और हुए के अड्डों पर खूब रौनक दिखाई दे रही है।

हमारे पास जिस तरह से जानकारी आ रही है उसके मुताबिक अवैध कारोबार इन दिनों खूब पनप रहे हैं अब अवैध कारोबार जिस तरह से लोगों की परेशानी का कारण बन रहे हैं वह अलग बात है किंतु आखिर किसके संरक्षण में यह अवैध गतिविधियां पनप रही है सवाल जरूर खड़े हो रहे हैं, इस मामले में हमने स्थानीय थाना प्रभारी को कई बार फोन किया, किंतु उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया था।

इनका कहना है

अगर कहीं इस तरह की अवैध गतिविधियां हो रही है तो उसे पर कार्यवाही की जाएगी।
सिद्धार्थ चौधरी जिला पुलिस अधीक्षक
बैतूल

ट्राला से टकराई कार, दो की मौत, दो घायल

सिवनी। बंडोल थाना क्षेत्र के भोंगाखेड़ा गांव के पास फोरलेन पर रविवार सुबह करीब 11 बजे एक बोलेरो वाहन सामने चल रहे ट्राला से टकरा गया। इस हादसे में बोलेरो वाहन में सवार एक 10 साल के बच्चे समेत एक व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं वाहन में सवार दो अन्य बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायलों को जिला अस्पताल से प्राथमिक उपचार के बाद नागपुर रेफर किया गया है। बंडोल थाना प्रभारी आरके दुबे ने बताया है कि भैरोगंज सिवनी निवासी महेश बरमैया तीन बच्चों के साथ छापारा के सिमरिया गांव से बोलेरो वाहन में सवार होकर सिवनी की ओर आ रहे थे। इसी दौरान भोंगाखेड़ा के पास पहुंचते ही सामने से चल रहे ट्राला के चालक ने अचानक ट्राला को मोड़ दिया। इससे बालेरो वाहन पीछे से ट्राला से टकरा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बोलेरो वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। वहीं इस वाहन में सवार भैरोगंज निवासी महेश बरमैया और दीपक बरमैया की मौके पर ही मौत हो गई।

हमारी लड़ाई भाजपा से नहीं, हम पार्टी को हराने नहीं बल्कि माचिस से अलख जगाकर चुनाव जीतने उतरे है

धार। धार विधानसभा से स्वतंत्र प्रत्याशी राजीव यादव का जनसंपर्क जारी है। रविवार को उन्होंने सागौर में जनसंपर्क कर लोगों से माचिस का बटन दबाकर विजय बनाने की अपील की। इस दौरान उन्होंने कहा कि हमारी लड़ाई भाजपा से नहीं है। हम भाजपा की विचारधार लेकर आए है और इसी विचारधारा पर चुनाव लडेंगे। हम इस चुनाव में पार्टी को हराने के लिए नहीं उतरे है, बल्कि माचिस से अलख जगाकर चुनाव को जीतने के लिए उतरे है और हमारी लड़ाई अंत तक कांग्रेस से रहेगी। सागौर में जनसंपर्क करने पहुंचे स्वतंत्र प्रत्याशी यादव का लोगों ने पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया। लोगों के समर्थन और दुलार पाकर यादव मंत्रमुग्ध नजर आए। जनसंपर्क के दौरान लोगों के बीच उन्होंने कहा कि पीथमपुर के 44 गांवों का मुद्दा उठाया। इसमें उन्होंने कहा कि पीथमपुर के 44 गांवों जो मास्टर प्लान में शामिल थे, उनकी जमीनों को उद्योगों को सौंप दिया गया। इसके बाद उन 44 गांव के लोगों की कोई सुध लेने वाला नहीं है और न ही उन लोगों को लेकर कोई बात की जा रही है। यादव ने कहा कि एमपीआईडीसी सिर्फ भूमि लेकर इंडस्ट्री से व्यवहार रखती है। स्थानीय लोगों की कोई सुनवाई नहीं हो रही है। सागौर में जनसंपर्क की शुरूआत छोटी सागौर से हुई। इसके बाद वे रघुवंशी मोहल्ले, मेन मार्किट, कृष्णा विहार, मोती नगर, थाना रोड से होते हुए मामा चौक बस स्टैंड पहुंचे। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग यादव के समर्थन में उनके साथ चलते नजर आए। वहीं जनसंपर्क के दौरान लोगों ने खुले मन से स्वतंत्र प्रत्याशी यादव का पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया। स्वागत से यादव अभिभूत नजर आए और बड़ों का आशीर्वाद लेकर जीत सुनिश्चित कर लोगों की समस्याएं सुलझाने का आश्वासन दिया। इस दौरान बड़ी संख्या में यादव समर्थक भी साथ थे।

उर्वरक नहीं मिलने से गेहूं फसल वृद्धि नहीं कर रही

देवास। रासायनिक उर्वरकों का लगातार प्रयोग करने से कृषि योग्य भूमि उर्वरक की आदी हो चुकी है। अधिकतर कृषि भूमि रासायनिक उर्वरक खाद के लगातार प्रयोग के चलते ऐसी स्थिति में आ गई है कि इन कृषि भूमियों मैं रासायनिक खाद नहीं डाला जाता है तो किसी भी प्रकार की फसल चाहे रबी फसल हो या खरीफ फसल मनचाही वृद्धि नहीं करती। वर्तमान में अधिकतर किसानों ने गेहूं फसल लगाइ हे इस फसल में एमपी खाद की आवश्यकता महसूस हो रही है खाद नहीं मिलने की स्थिति में 20 दिन की गेहूं फसल होने के बाद भी फसल की वृद्धि महज 5 इंच भी नहीं हो पाई है।

क्षेत्र के किसानों ने बताया कि आचार संहिता का बहाना करके क्षेत्रीय सहकारी संस्थाएं खाद्य वितरण नहीं कर रही है वही बाजार में भी महंगी कीमत देने के बाद भी एमपी खाद उपलब्ध नहीं हो रहा है हालांकि बाजार में 200 अतिरिक्त लिए जा रहे थे किंतु आचार संहिता के चलते वह भी खाद नहीं ला पा रहे हैं ।

इस स्थिति में गेहूं का उत्पादन 50त्न तक गिरने की संभावना है। कार्बनिक एवं जैविक खादों का रासायनिक उर्वरकों के साथ उपयोग करने से फ़सलों को संतुलित पोषण मिलता है जिससे गुणवत्तायुक्त अधिक उत्पादन प्राप्त करने में सफलता प्राप्त होती है साथ ही आर्थिक दृष्टि ह्यद्र भी लाभ होता है। वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक अशोक कुमार दीक्षित ने बताया कि किसानों को अपनी जमीन में से 25 प्रतिशत कृषि भूमि जैविक खाद का उपयोग करने हेतु रखने का समय आ गया है।

विधानसभा निर्वाचन के मतगणना दिवस 3 दिसम्बर को सम्पूर्ण दिवस के लिए शुष्क दिवस घोषित

रायसेन। मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन-2023 के दृष्टिगत कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी अरविंद दुबे द्वारा सम्पूर्ण जिले में मतगणना दिवस 03 दिसम्बर 2023 को सम्पूर्ण दिवस के लिए शुष्क दिवस घोषित किया गया है। कलेक्टर श्री दुबे द्वारा जारी आदेश के तहत दिनांक 03 दिसम्बर को सम्पूर्ण दिवस की अवधि में जिले में संचालित समस्त कम्पोजिट मदिरा दुकानों से मदिरा का विक्रय पूर्णतः प्रतिबंधित रखने के साथ ही होटल, आहार गृह, मधुशाला अथवा किसी अन्य सार्वजनिक तथा निजी स्थान में कोई भी स्पिरिट युक्त, किण्वित या मादक लिकर या वैसी प्रकृति का अन्य पदार्थ ना विक्रय किया जाएगा, ना दिया जाएगा और ना वितरित किया जाएगा। इसी प्रकार गैर मालिकाना क्लब, होटल, रेस्टोरेंट आदि तथा ऐसे होटल जिनके पास विभिन्न श्रेणी के मदिरा प्राप्त करने तथा प्रदाय करने के लायसेंस उपलब्ध हैं।

विकास का यह सिलसिला बना रहे, इसके लिए भाजपा के पक्ष में करें मतदान

देवास। भारतीय जनता पार्टी की प्रत्याशी गायत्री राजे पवार ने रविवार को वार्ड क्रमांक 25, 26 एवं 27 में सघन जनसंपर्क किया। उनका सभी वार्डों में रहवासियों ने ढोल-धमाके, पुष्पवर्षा एवं आतिशबाजी के साथ स्वागत किया। नन्हीं बालिकाओं ने आरती उतारी। रहवासियों ने भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में नारे लगाए और उन्हें जीत के प्रति आश्वासित किया।

जनसंपर्क की शुरुआत शाम को वार्ड 25 की ताराणी कॉलोनी से हुई। वार्ड में कार्यकर्ताओं के साथ-साथ स्थानीय रहवासी भी जनसंपर्क में शामिल हुए। रहवासियों ने स्वयं भी भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में मतदान के लिए स्थानीय रहवासियों से कहा। वार्ड क्रमांक 26 में शिवाजीनगर, अशोकनगर, पशुपतिनाथ कॉलोनी, विवेकानंद कॉलोनी, कोठी रोड, फॉरेस्ट कॉलोनी सहित अन्य स्थानों पर जनसंपर्क हुआ। वार्ड क्रमांक 27 में गगरानी हॉस्पिटल से मोती बंगला, सदाशिवनगर, यासीन बस्ती सहित अन्य स्थानों पर जनसंपर्क हुआ। इस अवसर पर गायत्री राजे पवार ने कहा, कि भाजपा सरकार की पहचान ही विकास कार्यों से है। देवास में शिक्षा, चिकित्सा, सड़क, बिजली, पानी, स्वच्छता सभी क्षेत्रों में कार्य हुए हैं। विकास का यह सिलसिला आगे भी बना रहे, इसके लिए भाजपा के पक्ष में आपको वोटिंग करना है।

कमल के फूल भेंट किए

भाजपा प्रत्याशी गायत्री राजे पवार के वार्ड में जनसंपर्क के दौरान रहवासियों ने उन्हें कमल के फूल भेंट किए। इस अवसर पर छोटी बालिकाओं ने जब कमल के फूल भेंट किए तो भाजपा प्रत्याशी गायत्री राजे पवार ने उनके सिर पर हाथ रखकर स्नेह किया। इन वार्डों के अलग-अलग मोहल्लों में विशाल पुष्पहार पहनाकर लोगों ने स्वागत किया।

जनसंपर्क के दौरान महापौर प्रतिनिधि दुर्गेश अग्रवाल, सभापति रवि जैन, पूर्व महापौर सुभाष शर्मा, भरत चौधरी, महामंत्री गणेश पटेल, धर्मेंद्रसिंह बैस, मंडल अध्यक्ष चिंटू रघुवंशी, नयन कानूनगो, नितिन आहूजा, मनीष सेन, अजय पहाड़िया, राजकिशोर यादव, राम यादव, संजय दायमा, विकास जाट, नीलेश वर्मा, रमेश द्विवेदी, आकाश यादव, इकबाल शेख, ममता मोदी, रेशु गुप्ता, पुष्पलता सोनगरा, संध्या शर्मा, हिना राठौर सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

हाईकोर्ट के निर्देशों पर हटा तालाब का अतिक्रमण

एक सप्ताह के अंदर अतिक्रमण हटा कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने मा. उच्च न्यायालय ने किया था निर्देशित

रामपुर बाघेलान। ग्राम पंचायत गाजन में गांव के 16 लोगों द्वारा तालाब पर किए गए अतिक्रमण को लेकर राघवेंद्र प्रताप सिंह द्वारा 2021 में माननीय उच्च न्यायालय ने दायर याचिका पर गौर करते हुए अतिक्रमण हटाने के लिए निर्देशित किया था जिसमें याचिका करता द्वारा दोबारा माननीय उच्च न्यायालय का दरबाजा खट खाटाया जिसमें माननीय न्यायालय ने एक सप्ताह के अंदर निर्देशों का पालन करने के लिए निर्देशित किया था।

जिसमे माननीय उच्च न्यायालय के निर्देशों का पालन करते हुए

अनुविभागीय अधिकारी आर एन खरे ने तालाब पर किए गए अतिक्रमण को 16 लोगों से मुक्त कराया जिस पर कुछ लोगों द्वारा राजनीतिक दबाव एवं गलत तरीके से अतिक्रमण हटाने की बात कही थी जिस पर जानकारी देते हुए अनुविभागीय अधिकारी श्री खरे ने क्या कहा।

इनका कहना है

गांव के तकरीबन 19 लोगों द्वारा तालाब पर अवैध रूप से कब्जा करने के उद्देश्य से शौचालय और मवेशियों को बॉधने के लिए कच्चे मकान बना लिए थे साथ ही उसमें से कुछ खंडहर भी थे जिन्हें माननीय उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार बेदखल किया गया है।क्यों कि अतिक्रमण कर्ताओं के पास कच्चे और पक्के मकान पहले से ही रोड के दूसरी तरफ निर्मित हैं जिसमें तालाब पर अतिक्रमण के उद्देश्य से यह निर्माण किए गए थे जिसे माननीय उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार बेदखल किया गया है।अतिक्रमण हटाने से पहले अतिक्रमण कारियों को नोटिस भी दी गई थी पर उन्होंने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी साथ ही इसको लेकर जो अफवाहें आ रही हैं वो बिल्कुल निराधार है।
आर एन खरे
अनुविभागीय अधिकारी रामपुर बाघेलान

विधानसभा निर्वाचन के मतदान दिवस पर शुष्क दिवस घोषित

रायसेन। मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचनण2023 के दृष्टिगत कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी अरविंद दुबे द्वारा मतदान दिवस 17 नवम्बर 2023 को सम्पूर्ण जिले में शुष्क दिवस घोषित किया गया है। कलेक्टर श्री दुबे द्वारा जारी आदेश के तहत विधानसभा निर्वाचनण2023 के लिए रायसेन जिले में 17 नवम्बर को मतदान होना है। जिसके दृष्टिगत 15 नवम्बर को शाम 05 बजे से 17 नवम्बर को मतदान समाप्ति तक सम्पूर्ण दिवस के लिए शुष्क दिवस घोषित किया गया है। इस अवधि में जिले में संचालित समस्त कम्पोजिट मदिरा दुकानों से मदिरा का विक्रय पूर्णतः प्रतिबंधित रखने के साथ ही होटल, रेस्टोरेंट, क्लब और मदिरा बेचने तथा परोसने वाले अन्य प्रतिष्ठानों द्वारा किसी भी व्यक्ति को मदिरा बेचने तथा परोसने की अनुमति नहीं होगी।

जिससे मिले उसी की जुबां बनते नजर आए भाजपा प्रत्याशी डॉ पंडागरे

जनसंपंर्क के दौरान भी लोगों से बटोरते नजर आ रहे वाहवाही

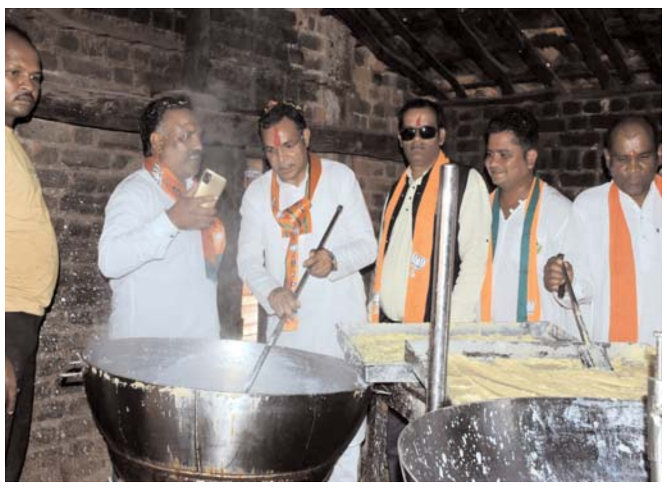

आमला। भाजपा प्रत्याशी डॉ योगेश पंडागरे ने रविवार को विधानसभा क्षेत्र के एक दर्जन से ज्यादा गावों मे जनसंपर्क किया। लगातार जनसंपंर्क कर रहे डॉ पंडागरे अलग-अलग क्षेत्र मे लोगो से उन्ही के अंदाज मे मुलाकात कर रहे है। मुलाकात का यह तरीका मतदाताओं को भी लुभाता नजर आ रहा है। रविवार को जब वे क्षेत्र मे पहुचें तो उन्होनें मजदूरो किसानो राहगीरो दुकानदारों आदि सभी वर्ग के लोगो से उन्ही के अंदाज मे शत प्रतिशत मतदान एवं भाजपा के पक्ष मे मतदान का आग्रह कियाभाजपा प्रत्याशी डॉ पंडागरे का अंदाल लोगों के चेहरों पर मुस्कराहट छोड़ता नजर आया।

चलते-चलते बनाई मिठाई

भाजपा प्रत्याशी डॉ0 पंडागरे ने शनिवार को क्षेत्र मे दुकानदारों के साथ हाथ बटाया तो उनकी खुंशी का ठिकाना नही था। ऐसा ही एक वाक्या तब सामनें आया जब मिठाई की कढ़ाई मे उन्होनें सरोता चलाया। इस दृश्य से दुकानदार ही नही बल्कि बैठे खरीददार और साथ चल रहे लोग भी भावुक नजर आए।

कार्यकर्ताओं ने निकाली रैली

शनिवार को भाजपा कार्यालय के शुभारंभ के बाद कार्यकर्ताओं ने नगर के साप्ताहिक बाजार मे भ्रमण कर मतदाताओं से भाजपा के पक्ष मे वोट की अपील की। इस अवसर पर पूर्व सांसद सुभाष आहूजा पूर्व जिला अध्यक्ष जितेंद्र कपूर विधानसभा प्रभारी राजेश आहूजा नगर मंडल अध्यक्ष रामकिशोर देशमुख जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र गढेकर अशोक नागले हरि यादव भरत यादव हेमंत गुगनानी जितेंद्र बेले भानूप्रताप चंदेलकर अरूण उबनारे लाजवंती नागले मुक्ता ढोलेकर सुष?मा नरवरे आरती पाटिल दुर्गा साहू सहित बड़ी तादाद मे महिलाएं भी शामिल थी।

पथ संचलन का स्वागत किया

रविवार को राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ व्दारा रविवार को नगर मे पथ संचलन किया गया। इस पथ संचलन मे शामिल सेवको का भारतीय जनता पार्टी की तरफ से महिला मोर्चा की पदाधिकारियों ने स्वागत किया। इसमें सीमा चौरिया नगर मंडल उपाध्यक्ष अंबिका साबले मुक्ता ढोलेकर लता यादव दीक्षा सुरजेकर माया देशमुख सीमा हारोड़े सहित बड़ी संख्या मे महिलाएं एवं युवतियां शामिल थी।

रविवार को यहां किया जनसंपर्क-

भाजपा प्रत्याशी डॉ योगेश पंडागरे ने क्षेत्र के ठानी बुचनवाड़ी आवरिया धौसरा खिड़की तोरनवाड़ा परसोड़ी अमनी खतेड़ा शिवपुरी बोरी राशिढाना रतेडाकला सहित आस-पास के गावों मे जनसंपंर्क किया।

सोमवार को यहां होगा जनसंपर्क

भाजपा प्रत्याशी डॉ योगेश पंडागरे सोमवार को विस क्षेत्र के जंबाड़ा जंबाड़ी कुटखेड़ी माहोली रानीडोंगरी गुवाड़ीढाना खापाखतेड़ा देवगांव कनोजिया खानापुर सहित आस-पास के क्षेत्र मे जनसपर्क करेंगे।

उत्साह और उमंग के बीच मेन मार्केट मे शुरू हुआ भाजपा कार्यालय

बड़ी संख्या मे उपस्थित रहे पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता

आमला। भाजपा प्रत्याशी डॉ0 योगेश पंडागरे के प्रचार मे युवाओं की टीम भी पूरी मुस्तैदी से जुट गई है। जबकि विभिन्न मोर्चा एवं प्रकोष्ट के पदाधिकारी तथा कार्यकर्ता भी अंचल मे अलसुबह से देर रात तक जनसंपर्क कर भाजपा के पक्ष मे मतदान की अपील करते नजर आ रहे है। वही भाजपा के हवाईपट्टी स्थित कार्यालय के अलावा मेन मार्केट मे चुनाव प्रबंधन एवं क्रियान्वयन के लिए कार्यालय शुरू किया गया। शनिवार को इस कार्यालय का उद्घाटन पूर्व सांसद सुभाष आहूजा पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष जितेंद्र कपूर नगर मंडल अध्यक्ष रामकिशोर देशमुख जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र गढ़ेकर वरिष्ठ भाजपा नेता मिश्रीलाल राठौर सहित अन्य वरिष्ठ भाजपा नेताओं एवं पदाधिकारियों तथा कार्यकर्ताओं की मौजूदगी मे हुआ।

गांव-गांव मे ले रहे बैठके-

भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चा के अध्यक्ष राजू मालवीय सुभाष पुंडे दिनेश बारस्कर विट्ठल बारस्कर अनुसूचित जाति मोर्चा के अध्यक्ष लक्ष्मण चौकीकर मनोज कश्यप नितिन खातरकर भानूप्रताप चंदेलकर एसटी मोर्चा के जोहरी वाड़िवा सहित पदाधिकारियों व्दारा रोजाना अंचलों मे बैठके लेकर मतदाताओं से जनसंपर्क कर भाजपा के पक्ष मे मतदान का आव्हान किया जा रहा है। मोर्चा प्रकोष्ट के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मतदाताओं के सामनें भाजपा सरकार की योजनाएं एवं क्षेत्र मे कराए गए विकास कार्यो का बखान करते नजर आ रहे है। किसान मोर्चा जिला उपाध्यक्ष हरि यादव सहित पदाधिकारी भी लगातार किसानों से संपर्क कर भाजपा सरकार द्वारा किसानों के हित मे किए कार्यो का ब्यौरा रख रहे है।

आज इन गावों मे किया जनसंपंर्क

भाजपा प्रत्याशी डॉ योगेश पंडागरे ने शनिवार को हरन्या टांडीढाना हथनोरा मांडई डेहरी खजरी सेमाढाना गाडरीढाना चोपना बासखापा घाटावाड़ीकला घाटावाड़ीखुर्द इटावा सहित अन्य गावों मे डोर टू डोर जनसंपंर्क किया।

रविवार को यहां करेंगे जनसंपंर्क

भाजपा प्रत्याशी डॉ योगेश पंडागरे कल रविवार को ढानी आवरिया धौसरा खिड़की तोरनवाड़ा परसोड़ी अमनी खतेड़ा शिवपुरी बोरी सहित आस-पास के गांव मे मतदाताओं से डोर-टू-डोर मिलकर भारतीय जनता पार्टी के पक्ष मे मतदान की अपील करेंगे।

न्यूज इन शार्ट

ट्रैक्टर और बाइक की भिड़ंत, पिता-पुत्र व पुत्री की मौत

गुना। जिले की म्याना थाना अंतर्गत दोपहर 2-30 बजे बाइक और ट्रैक्टर की भिड़ंत से पिता-पुत्र और पुत्री की मौके पर ही मौत हो गई जबकि पत्नी को गंभीर घायल अवस्था में जिला अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती किया गया है। मिली जानकारी अनुसार म्याना थाने के सेमरा गांव निवासी विनोद पुत्र नंदराम अहिरवार 28 साल पत्नी पिंकी अहिरवार 26 साल 5 साल की पुत्री और 3 साल के पुत्र को लेकर गुना के श्री राम कॉलोनी सेझअपने साढू भाई के यहां जन्मदिन कार्यक्रम में शामिल होकर रविवार दोपहर सेमरा गांव जा रहे थे, सेमरा गांव के पास सामने से आ रहे एक ट्रैक्टर से बाइक की भिड़ंत हो गई घटना में बाइक के परखच्चे उड़ गए वहीं विनोद 5 साल की पुत्री और 3 साल के पुत्र की मौके पर ही मौत हो गई जबकि पत्नी को गंभीर घायल अवस्था में उपचार के लिए एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल में लाया गया है जहां पर उसकी हालत गंभीर बनी हुई है वहीं घटना में मृतक तीनों को पोस्टमार्टम हाउस में शवों को रखवा दिया गया है, स्वजनों के आने के बाद जिला अस्पताल पहुंचने के बाद तीनों का पोस्टमार्टम किया जाएगा

किसान के साथ चप्पल जूतों से मारपीट, दो व्यापारी भाइयों पर केस दर्ज

सीहोर। मामला राजगढ़ जिला मुख्यालय से लगभग 90 किलोमीटर दूर स्थित कृषि उपज मंडी का है। जहां अपनी सोयाबीन की फसल बेचने के लिए सीहोर जिले से आए किसान राजेश मीणा के साथ फसल की कीमत मांगने के बदले व्यापारी पवन और गौरव सिंघी ने चप्पल जूते से मारपीट कर दी। सूचना पर मौके पर पहुंचे भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारियों ने हंगामा शुरू कर दिया और नायब तहसीलदार को ज्ञापन के माध्यम से व्यापारी का लाइसेन्स निरस्त करने की मांग की गई। जिसके पश्चात दोनों आरोपियों के विरुद्ध मारपीट सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज किया गया है। वहीं कुरावर थाने में दर्ज की गई एफआईआर के अनुसार फरियादी राजेश मीणा ने पुलिस को बताया कि मैं 4 नवंबर को कृषि उपज मंडी कुरावर में सोयाबीन बेचने के लिए गया हुआ था, जहां मैंने कुरावर के व्यापारी पवन पिता कैलाश सिंघी और गौरव पिता कैलाश सिंघी को नीलामी की प्रक्रिया के तहत 19 क्विंटल 5 किलो सोयाबीन विक्रय की जिसकी कीमत 89344 रुपये हुई जो कि मैंने उनके मुनीम से रुपये मांगी। उन्होंने उनके सेठ पवन और गौरव सिंघी को बुलाया तो वे मुझे गालियां देकर पैसे देने से इनकार करने लगे और मेरे साथ जूते-चप्पल से मारपीट की। इस पूरे मामले में पुलिस ने आरोपी पवन पिता कैलाश सिंघी और गौरव पिता कैलाश सिंघी के विरूद्ध धारा 294, 323, 506 व 34 ढ्ढश्च के तहत प्रकरण दर्ज किया है और मामले की जांच की जा रही है।

महाकालेश्वर में मनेगा पांच दिवसीय दीपावली पर्व, आकर्षक रोशनी से सजेगा मंदिर

उज्जैन। विश्व प्रसिद्ध श्री महाकाल मंदिर में पांच दिवसीय दीपावली पर्व धूमधाम से मनाया जाएगा। मंदिर में धनतेरस से पूजन की शुरुआत होगी। दीपावली पर मंदिर के गर्भगृह में सुबह भस्म आरती में फुलझड़ियां जलाकर दीपावली का त्यौहार मनाया जाएगा। विश्व प्रसिद्ध महाकाल मंदिर में दीपावली का पर्व धूमधाम से मनाया जाने की परंपरा है। दीपावली के लिए महाकाल मंदिर में गर्भगृह दीवारों पर में चांदी की सफाई की जाएगी। यह कार्य रविवार से शुरू हो जाएगा। महाकाल मंदिर शिखर की सफाई भी की जाएंगी। महाकाल मंदिर समिति परंपरा अनुसार मंदिर में 5 दिनी दीपोत्सव मनाया जाएगा। दीपावली के लिए पूरे मंदिर परिसर और शिखर को आकर्षक विद्युत रोशनी से सजाया जाएगा। दीपावली के पहले रविवार से गर्भगृह की सफाई का काम शुरू हो जाएगा। मंदिर में धनतेरस के पूजन से पांच दिनी दीपोत्सव की शुरुआत होगी। महाकालेश्वर मंदिर में 10 नवंबर शुक्रवार के दिन धनतेरस पर्व मनाया जाएगा, जिसमें महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति द्वारा संचालित चिकित्सालय में भगवान श्री धनवंतरी का पूजन किया जायेगा। मंदिर के पुरोहित समिति द्वारा भगवान महाकालेश्वर का अभिषेक पूजन किया जाएगा। 12 नवंबर 2023 कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी को महाकालेश्वर भगवान को अभ्यंग स्नान करवाया जावेगा।

लूटकांड का पुलिस ने किया खुलासा दो आरोपी गिरफ्तार व एक फरार

मंदसौर। मंदसौर जिले के पिपलियामंडी में दिनदहाड़े हुई लूट के मामले में एसपी अनुराग सुजानिया ने शनिवार शाम 7 बजे पुलिस कंट्रोल रूम पर पत्रकार वार्ता में खुलासा किया। उन्होंने बताया कि कृषि उपज मण्डी के सामने आईसीआईसीआई बैंक के बाहर मुख्य रोड पर दो अज्ञात बाइक सवार आरोपियों ने मंडी व्यापारी रूपचंद होतवानी के मुनीम वीरेन्द्र पिता कन्हैयालाल जैन के सिर पर बेसबाल के डंडे से वार कर रुपयों से भरा बैग जिसमें कुल 38 लाख 90 हजार थे, लूटकर फरार हो गये थे।

आबादी क्षेत्र में दिनदहाड़े लूट की सनसनीखेज वारदात घटित होने से एसपी सुजानिय ने क्षेत्र में चेकिंग एवं नाकाबंदी के निर्देश दिए और घटनास्थल पर पहुंचे। साथ ही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गौतम सोलंकी एवं एसडीओपी नरेंद्र सोलंकी भी अलग-अलग दिशाओं से आरोपियों का पीछा करने हेतु रवाना हुए। घटना के बाद आरोपी पिपलिया मण्डी से गुडभेली रोड पर जाने के कारण समस्त सीमावर्ती थानों की पुलिस द्वारा आरोपियों का पीछा किया गया।

सोशल मीडिया पर वायरल हुए फोटो

लूट की वारदात के बाद पिपलिया मण्डी एवं नारायणगढ़ थाना पुलिस द्वारा अपने थाना क्षेत्र के ग्रामीण ग्रुपों में घटना के संबंध में सीसीटीवी में रिकार्ड फोटो वीडियो वायरल की गए। जिसका परिणाम ये रहा कि समय समय पर ग्रामीणजनों द्वारा आरोपियों के बाइक से भागने की सूचना पुलिस को मिलती गई। साथ ही ग्रामीणों द्वारा भी आरोपियों का पीछा किया गया। घेराबंदी के कारण आरोपी अपनी बाइक और रुपयों से भरा बैग छोड़कर भाग गये।

आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम गठित

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक अनुराग सुजानिया ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गौतम सोलंकी एवं मल्हारगढ़ एसडीओपी

नरेन्द्र सोलंकी के नेतृत्व में थाना प्रभारी पिपलिया मण्डी नीरज सारवान, थाना प्रभारी नारायणगढ जितेन्द्र सिसौदिया, चौकी प्रभारी पिपलिया मण्डी अभिषेक बोरासी की टीम का गठन किया। टीम द्वारा घटनास्थल से सफेद रंग की अपाचे बाइक जब्त की गई। बता दें कि जांच के बाद पुलिस खानपुरा निवासी बाइक मालिक तक पहुंची तो उसने बताया की सफेद रंग की अपाचे तीन साल पहले ही अरबाज पिता साबिर पठान निवासी नाहर सैयद रोड को बेच दी थी। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए मुखबिर तंत्र लगाया गया जिसके परिणामस्वरूप अरबाज पिता साबिर खॉ पठान को गिरफ्तार कर उससे पूछताछ की गई।

भाजपा के वरिष्ठ नेता ने पार्टी को जहाज बताया तो बागियों को चूहा

बुरहानपुर। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने मध्यप्रदेश के बुरहानपुर में बयान जारी कर कहा कि देखिए सतना, रीवा, सिंगरौली, चंबल, ग्वालियर, मुगावेली और पूरा मालवा, निमाड़ तथा धुमाड़ दो महीने के अंदर घूमा हूं। भारतीय जनता पार्टी के अंदर करंट दौड़ रहा है। यह जन सैलाब उसका उदाहरण है। ऐसा जन सैलाब दूर से नजर आ रहा है। इसलिए मेरा दावा है कि दो तिहाई मतों से भारतीय जनता पार्टी सरकार बना रही है।

विजयवर्गीय ने कहा कि जो भारतीय जनता पार्टी के साथ है, उसकी ही कद्र है। अब लोग भारतीय जनता पार्टी के नाम से ही मुझे जानते हैं। अर्चना जी को लोग जानते हैं। उन्होंने कहा कि जो लोग पार्टी से बाहर हो गए, जो लोगों के दिल से बाहर से हो गए। इससे पार्टी को कोई फर्क नहीं पड़ता। पार्टी में से दो-चार चूहे बाहर चले गए हैं तो कोई फर्क नहीं पड़ता है। कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि नंदकुमार सिंह चौहान को पार्टी ने बहुत कुछ दिया है। नंदू भैया को छह बार विधायक सांसद बनाया, प्रदेश अध्यक्ष बनाया क्योंकि वह उसको डिजर्व करते थे। वहीं, विजयवर्गीय ने अपने बारे में कहा कि वह मैं जानता नहीं हूं, हजार वोट से जीतूंगा।

सूर्या हाफ मैराथन दौड़ 19 को, सैनिकों के साथ आम नागरिक भी बनेंगे हिस्सा

जबलपुर। जबलपुर में 19 नवंबर को सूर्या हाफ मैराथन दौड़ का आयोजन किया जा रहा है। दौड़ में भाग लेने वाले धावकों को किट, मैडल तथा प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाएगा। तीनों श्रेणियों में लगभग 25 सौ प्रतिभागियों के हिस्सा लेने की संभावना है। मध्य भारत एरिया में सूर्यामान बनो, गतिमान बनो का नारा देते हुए अगामी 19 नवंबर को सूर्या हाफ मैराथन दौड़ का आयोजन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य नागरिक तथा सैनिकों के बीच स्वस्थ जीवन व एकता को बढ़ावा देना है।

इस हाफ मैराथन दौड़ में सैनिक तथा आम नागरिक हिस्सा ले सकते हैं। मध्य भारत एरिया के जनरल ऑफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट एमके दास ने बताया गया कि हाफ मैराथन दौड़ को आयोजन 21 किलोमीटर, 10 किलोमीटर तथा 5 किलोमीटर की श्रेणियों में किया गया है। इसके लिए अगल-अलग आयु वर्ग भी निर्धारित किए गे हैं। जिसमें देश का कोई भी सैनिक व आम नागरिक भाग ले सकता है। स्कूली बच्चों तथा एनसीसी कैडेट्स के लिए रजिस्ट्रेशन निशुल्क रखा गया है। उन्होंने बताया कि 15 जनवरी को होने वाले सैनिक दिवस का आयोजन इस बार मध्य भारत एरिया के मुख्यालय लखनऊ में रखा गया है। जिसे प्रमोट करने के लिए उक्त मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया है। दौड़ में भाग लेने वाले धावकों को किट, मैडल तथा प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाएगा। तीनों श्रेणियों में लगभग 25 सौ प्रतिभागियों के हिस्सा लेने की संभावना है। अभी तक 11 से अधिक प्रतिभागियों ने रजिस्ट्रेशन करवा लिया है। इस अवसर पर परमवीर चक्र विजेता कैप्टन योगेन्द्र सिंह यादव उपस्थित रहेंगे। मैराथन दौड़ का शुभांरभ लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि द्वारा किया जाएगा।

भाजपा प्रत्याशी देवेंद्र जैन ने किया जनसंपर्क

बोले- बीजेपी ने कई जनकल्याणकारी योजनाएं चलाई हैं

शिवपुरी। शिवपुरी विधानसभा से प्रत्याशी देवेंद्र जैन को जनता का भरपूर समर्थन मिल रहा है और सभी ने भरोसा दिलाया है कि वह सिर्फ भाजपा को ही अपना मत देंगे। भाजपा ने उनके लिए अनेक जन कल्याणकारी योजना चलाई है। आज लाडली बहन योजना से महिला सशक्त हुई है वही वृद्धावस्था पेंशन भी बढ़ा दी गई है। कुल मिलाकर भाजपा सरकार ने लोगों का जीवन स्तर को सुधारा है।

विभिन्न ग्रामों के भ्रमण के दौरान देवेंद्र जैन ने कहा कि 17 नवंबर को होने वाले चुनाव में क्षेत्र के विकास और प्रकृति के लिए प्रदेश में भाजपा की सरकार बनाने के लिए भारतीय जनता पार्टी को अपना अमूल्य वोट देकर विजयी बनाएं। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि आपका मान और सम्मान में कोई कसर नहीं छोड़ूंगा। भाजपा प्रत्याशी देवेंद्र जैन को विजई बनाने के लिए भाजपा के छोटे से लेकर बड़े कार्यकर्ता पूरे मन से प्रचार प्रसार में जुटे हुए हैं और उन्होंने संकल्प लिया है कि वह भाजपा को भारी मतों से विजय श्री दिलवाएंगे। शाम के समय देवेंद्र जैन के पुत्र सक्षम जैन नीलगर चौराहा, राजपुर रोड, बड़ा बाजार, अहिर मोहल्ला में जनसंपर्क किया और लोगों ने अपना आशीर्वाद प्रदान किया।

डेढ़ साल पहले हुई थी शादी, मकान मालिक ने घर में पड़े देखा, पति-देवर को बुलाया, नहीं बची जान

इंदौर। इंदौर में एक नवविवाहिता की मौत हो गई। मकान मालिक ने उसे घर के अंदर पड़े देखा और पति और देवर को सूचना दी। घटना इंदौर के गांधी नगर की है। जब घटना हुई तब महिला का पति और देवर नौकरी पर गए हुए थे। शाम को मकान मालिक ने उसे घर के अंदर पानी की बाल्टी के पास पड़े हुए देखा और सूचना दी। इसके बाद पुलिस ने पहुंचकर मर्ग कायम किया। पुलिस ने बताया कि अलका पति राजेश भिलाला निवासी बालाजी धाम कॉलोनी की मौत की सूचना मिली थी। परिवार के लोगों ने बताया कि अलका का पति और देवर एक प्लास्टिक फैक्ट्री में काम करते हैं। दोनों शनिवार सुबह काम पर चले गए। इसके बाद अलका घर पर अकेली थी। शाम को पांच बजे के

लगभग मकान मालिक ने घर में उसे अचेत पड़े देखा। मकान मालिक का कहना है कि पास में ही पानी गर्म करने की लोहे की रॉड पड़ी थी।

डेढ़ साल पहले हुई थी शादी

इसके बाद मकान मालिक ने पति राजेश और देवर को सूचना की। दोनों महिला को नजदीक के अस्पताल ले गये। यहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के मुताबिक प्रारंभिक जांच में करंट लगने से मौत की वजह सामने आ रही है। अलका का मायका शाजापुर में है। डेढ़ साल पहले ही उसकी शादी हुई थी। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को जिला अस्पताल भेज दिया है। विस्तृत रिपोर्ट आने के बाद स्थिति साफ होगी।

अवैध पटाखा फैक्ट्री विस्फोट में हुई छठी मौत

घायल बोले- अच्छे तरीके से नहीं हो रहा इलाज

दमोह। दमोह के बड़ा पुल पर संचालित अवैध पटाखा फैक्ट्री में हुए विस्फोट में बीते बुधवार की रात जबलपुर में पांचवी मौत हो गई। अब शनिवार को छठी मौत हो गई। कलेक्टर के निर्देश पर मामले की मजिस्ट्रियल जांच भी शुरू हो गई है। इसके साथ ही मृतक फैक्ट्री संचालक अभय गुप्ता के भाई जय कुमार गुप्ता को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उसके घर से भी बड़ी मात्रा में बारूद और पटाखा बनाने की सामग्री बरामद की गई है। वहीं जिला अस्पताल में इलाजरत महिलाओं का कहना है कि उनका अच्छे से इलाज नहीं हो रहा, जबकि उन्हे अच्छे इलाज की जरूरत है। इस मामले में धारा 304 के तहत मामला दर्ज हुआ है।

जबलपुर में इलाजरत तीन महिलाओं की मौत

मंगलवार को फैक्ट्री में हुए ब्लास्ट में जहां संचालक अभय गुप्ता सहित दो महिलाओं की मौत मंगलवार मौके पर ही हो गई और 11 महिलाओं को इलाज के लिए जिला अस्पताल लाया गया था। वहीं चार महिलाओं की हालत गंभीर होने पर इलाज के लिए जबलपुर भेजा गया था। जहां मंगलवार रात रामकली कोष्ठी की इलाज के दौरान मौत हो गई, बुधवार रात विनीता राजपूत नाम की महिला ने दम तोड़ दिया और शनिवार को उमा कोरी पिता परषोत्तम कोरी निवासी पुराना बाजार दो कुरयाना मोहल्ला की भी इलाज के दौरान मौत हो गई। इस प्रकार से पटाखा फैक्ट्री ब्लास्ट में छह लोगों की जान चली गई है और करीब 5 महिलाएं जिला अस्पताल में भर्ती है।

फैक्ट्री के पिछले हिस्से से चोरी छिपे लाई जाती थी बारूद

बड़ा पुल के रहवासी इलाके में अभय गुप्ता यह अवेध पटाखा फैक्ट्री 10 सालों से संचालित कर रहा था। स्थानीय लोगों ने पुलिस में शिकायत की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। इस बात की जानकारी भी सामने आई है कि फैक्ट्री के पीछे वाले हिस्से से बारूद चोरी छिपे फैक्ट्री में लाया जाता था। धमाके के एक दिन पहले ही करीब 100 किलो बारूद एक ऑटो में भरकर फैक्ट्री लाया गया था। फैक्ट्री मालिक अभय उर्फ छुट्टन गुप्ता 400 किलो पटाखा रखने और बेचने के लाइसेंस की आड़ में अवैध फैक्ट्री चला रहा था।

कांग्रेस सरकार में लगेंगे उद्योग, मिलेगा युवाओं को रोजगार: दांगी

ब्यावरा। विधानसभा चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार पुरुषोत्तम दांगी ने कई गांव में मतदाताओं से सीधा संपर्क करते हुए कांग्रेस के पक्ष में मतदान करने की अपील की चैपाल पर चर्चा करते हुए कांग्रेस उम्मीदवार पुरुषोत्तम दांगी ने कहा कि भाजपा सरकार ने जिले में उद्योग के नाम पर कुछ भी नहीं दिया। कांग्रेस सरकार आते ही जिले में कहीं उद्योग लगेंगे जिससे युवाओं को रोजगार मिलेगा बेरोजगारी की समस्या दूर होगी भाजपा सरकार में बेरोजगारी लगातार बढ़ रही है। युवा रोजगार की तलाश में भटक रहे हैं उनका समय से रोजगार नहीं मिल रहा है।

श्री दांगी ने कहा कि कांग्रेस के वचन पत्र में जो गारंटी सर्व समाज के लिए दी गई है उसे प्रदेश के सभी वर्ग को लाभ पहुंचेगा हर महिलाओं को कांग्रेस सरकार में 1500 रुपए हर महिने देगी, वृद्धावस्था के लिए भी कांग्रेस सरकार चिंतित है वृद्धो की पेंशन भी बढ़ाई जाएगी प्रदेश में गौशालाओं का निर्माण किया जाएगा कांग्रेस सरकार में विकास के कई कार्य किए जाएंगे इस मौके पर विधायक रामचंद्र दांगी जिला पंचायत अध्यक्ष चंदरसिंह सोंधिया, विश्वनाथ दांगी, पूर्व नपाध्यक्ष डॉक्टर भारत वर्मा,इंका नेता लक्ष्मीनारायण यादव सहित कहीं कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद थे।

ग्रामीण क्षेत्र में हो रहा जोरदार स्वागत

कांग्रेस उम्मीदवार पुरुषोत्तम दांगी ने रविवार को ग्राम बरखेड़ा, निबानिया, धनिया खेड़ी, जपेला, जेपली, चैतरा, सिंगापुरा, चंदेरी, भाटपुरा, खानपुर आलमपुरा खानपुरा आदि क्षेत्रों में भ्रमण किया वह मतदाताओं से सीधे मुलाकात की उन्होंने मतदाताओं से कांग्रेस के समर्थन में वोट देने की अपील की उन्होंने मतदाताओं को विश्वास दिलाया कि कांग्रेस सरकार बनते ही आपकी सभी समस्याओं का निदान किया जाएगा और गांव में विकास किया जाएगा।

गांवों में भाजपा सरकार ने बिछाया सड़कों का जाल: नारायण सिंह पंवार

ब्यावरा। रविवार को भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी नारायण सिंह पवार में गादिया मंडल के कई गांव में जनसंपर्क किया और स्थानीय लोगों से भाजपा के पक्ष में मतदान करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आज हमें गांव.गांव में जो सड़कों का जाल दिखाई देता हैए वह भाजपा सरकार की देन है और भाजपा सरकार ने लगातार प्रयास करके ऐसे ऐसे गांव में सड़कों को पहुंचा है। जहां आजादी के बाद से अभी तक सड़क नहीं पहुंची थी। उन्होंने कहा कि हमारे विधानसभा क्षेत्र में भी कई ऐसे गांव थे जहां बारिश के समय रास्ता बंद हो जाता था और सड़क नहीं होने के कारण लोग परेशान रहते थे। लेकिन भाजपा सरकार ने इस सपने को सरकार करके दिखाया है और आज प्रत्येक गांव में सड़क पहुंच चुकी है। इस अवसर पर उनके साथ जनसंपर्क करने भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता पूर्व राज्य मंत्री बद्रीलाल यादवए नारायण सिंह सालरियाखेड़ीए जसवंत सिंह गुर्जरए रामनारायण दांगीए इंदर सिंह लववंशीए हरिप्रसाद दांगीए मंडल अध्यक्ष मोहन कुशवाहए बाला प्रसाद दांगीए बजरंग सिंह उमठए रामबाबू दांगीए मुरली यादवए जितेंद्र यादवए राधे दांगी सहित कई वरिष्ठ नेता उपस्थित हुए।

गांव.गांव पहुंच रहे भाजपा प्रत्याशी.

भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी नारायण सिंह पवार चुनावी जनसंपर्क के दौरान प्रत्येक गांव.गांव पहुंच रहे हैं और लोगों से व्यक्तिगत संपर्क कर रहे हैं साथ ही उनके साथ पहुंच रह भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता लोगों से सरकार की योजना बताकर भाजपा के पक्ष में मतदान करने का आह्वान कर रहे हैं। रविवार को वे क्षेत्र के पगाराए पगारीए करणपुराए मोईए खानपुराए रणजीतपुराए बेरसियाए गोलियापुराए पिपलिया धाकड़ए मुंडला बजरंग आदि गांव में जनसंपर्क किया।

मतदान कर्मी पूरी गंभीरता से प्रशिक्षण प्राप्त करें : कलेक्टर हर्ष दीक्षित

लोकहित की पुकार, सारंगपुर

विधानसभा निर्वाचन 2023 हेतु कलेक्टर हर्ष दीक्षित के निर्देशानुसार उत्कृष्ट विद्यालय सारंगपुर में दिनांक 4 से 6 नवंबर 2023 तक प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है इस अवसर पर सभी लोग सेवकों को संबोधित करते हुए कलेक्टर हर्ष दीक्षित ने कहा कि सभी मतदान कर्मी पूर्ण गंभीरता से प्रशिक्षण प्राप्त करें कहीं कोई बात समझ में नहीं आ रही हो तो मास्टर ट्रेनर से प्रशिक्षण स्थल पर ही समझे सभी कक्षा में जाकर अपने सामने कलेक्टर ने ई व्ही एम का कनेक्शन करवाया जहां कहीं भी कमी दिखी है उसको प्रशिक्षण स्थल पर ही दूर करवाई मतदान कर्मियों को बताया कि जब तक आप चुनाव प्रशिक्षण में दक्ष नहीं हो जाते तब तक आप प्रशिक्षण स्थल नहीं छोड़ेंगे साथ ही यह भी बताया कि यदि आवश्यकता पड़ी तो एक और प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा एसडीएम संजय उपाध्याय ने कहा कि प्रत्येक लोक सेवक तटस्थ रहकर पूर्ण ईमानदारी से कार्य करें निर्वाचन जैसा कार्य किसी एक व्यक्ति का नहीं है यह आप सभी के सहयोग से संपन्न होगा निर्वाचन की एक-एक बारीकी को आप ध्यान पूर्वक समझे कहीं कोई समस्या हो तो प्रशिक्षण में ही उसका निदान करें आप सभी मास्टर ट्रेनर के द्वारा जो प्रशिक्षण दिया जा रहा है उसे पूर्ण गंभीरता से लेवे तहसीलदार मनोज शर्मा ने प्रशिक्षण में अपनी बात रखते हुए कहा कि आप लोगों के लिए मास्टर ट्रेनर के माध्यम से प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है आपकी जो भी जिज्ञासा हो आपके जो भी प्रश्न हो उनको आप मास्टर ट्रेनर से जरूर पूछे और पूर्ण तनमयता से प्रशिक्षण प्राप्त करें साथ ही सभी मतदाताओं को ऐसा लगना चाहिए कि हम निर्वाचन के संपूर्ण नियमों का पालन कर रहे हैं इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत सारंगपुर प्रमोद कुमार सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि आप लोग सभी डाकपत पत्र को अच्छी तरह से समझ ले और संपूर्ण पूर्ति करें ताकि रिजेक्ट ना हो समस्त लोक सेवक जिनकी ड्यूटी मतदान कार्य में लगी है उनको 100त्न मतदान भी करना है प्रशिक्षण प्रभारी विकासखंड शिक्षा अधिकारी बीएल सूर्यवंशी बीआरसी बीएल वर्मा मुख्य नगर पालिका अधिकारी एल एस डोड़िया महिला बाल विकास अधिकारी केदार शर्मा महेश राजपूत मास्टर ट्रेनर सुरेश वीरमाल अशोक नागर राधेश्याम विजयवर्गीय भगवान सिंह राठौड़ बबीता मिश्रा दिनेश गुप्ता शिवनारायण मालवी कृष्ण स्वरूप सक्सेना राजेश नारोलिया प्रीतम गुनवा डॉ वसीम शेख नरसिंह शर्मा ओम प्रकाश लोधा राजेंद्र शर्मा हेमंत डांगी रमेश तंबोली आनंदीलाल भिलाला उत्कृष्ट प्राचार्य ममता जाधव दिनेश तिवारी जगदीश कुंभकार तेज सिंह भिलाला सुरेंद्र शर्मा रवि शर्माआदि उपस्थित थे

अभाविप ने कालीसिंध नदी के कपिलेश्वर घाट पर साफ सफाई कर दिया स्वच्छता का संदेश

विद्यार्थी परिषद देश भर में युवाओं को स्वच्छता व सेवा कार्यों से जोड़ने कर रही कार्य : पंकज सिंह धामी

लोकहित की पुकार,सारंगपुर ।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद सारंगपुर नगर इकाई के कार्यकर्ताओं द्वारा लगातार नगर में एसएफडी के माध्यम से सेवा कार्य किये जा रहे हैं, प्रत्येक रविवार को विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता नगर में स्वच्छता व अन्य सेवा कार्य करते आ रहे हैं, इन्हीं सेवा कार्यों से प्रसन्न होकर विद्यार्थी परिषद के प्रांत पदाधिकारी पंकज सिंह धामी (प्रांत प्रमुख स्व्रष्ठ गतिविधी) रविवार को सारंगपुर स्थित कालीसिंध नदी के कपिलेश्वर घाट पर पहुंचे जहां उन्होंने विद्यार्थी परिषद सारंगपुर के कार्यकर्ताओं के साथ एसएफडी के माध्यम से साफ सफाई व सेवा कार्यों मैं सहयोग दिया व साथ ही कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शित भी किया, श्री धामी ने परिषद की सारंगपुर इकाई द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों की सराहना की और इसे रोल मॉडल के रूप में अपनाते हुए पूरे जिले भर की इकाइयों में करने का आग्रह किया , राजगढ़ जिला एसएफडी गतिविधि प्रमुख आयुष चौहान द्वारा श्री धामी को प्रत्येक रविवार को सतत चलाए जा रहे हैं सेवा व स्वच्छता कार्यक्रमों के बारे में बताया गया साथ ही आगामी कार्यक्रमों के बारे में चर्चा की।

इस दौरान नंदनवन समिति के मनीष सोनी, नगर एसएफडी गतिविधि प्रमुख सीरिश सानू शर्मा, सारंगपुर नगर मंत्री आदित्य शर्मा, ख्याति सक्सेना, निशा भिलाला, अथर्व राठौर, अतुल कोरी ,जपेस सेन ,अनुराग अमल्कार आदि उपस्थित रहे।

पानी में भीगा, सड़ा अनाज हितग्राहियों को थमा रहे राशन दुकानदार

गुना। वर्तमान में उपभोक्ता भंडारों द्वारा जो राशन वितरण किया जा रहा है उसमें अनाज बिल्कुल सड़ा हुआ पानी में भीगा हुआ तथा घुन लगा हुआ हितग्राहियों को थमाया जा रहा है। उक्त अनाज से बदबू भी आ रही है जिसे पशु भी नही खा सकते। सड़ा-गला अनाज उपभोक्ताओं को देने से नाराज होकर उन्होंने एसडीएम से शिकायत की है। दरअसल ऐसे अनाज को उपभोक्ता भंडारों द्वारा विक्रय किया जा रहा है। जिसकी शिकायत मिलने पर हमारे संवाददाता ने स्वयं जाकर इन गेहूं को देखा। उनकी गुणवत्ता की जांच की तो इतना अमानत स्तर का गेहूं जिसे पशु भी नहीं खा रहे थे। इसके बावजूद भी आरोन में जनता को ऐसा गेहूं बांटा जा रहा है। प्राप्त विवरण के अनुसार आरोन की सभी उपभोक्ता भंडारों पर गुणवत्ताहीन सड़ा, गला और बदबूदार गेहूं का वितरण किया जा रहा है। यह गेहूं खाने लायक नहीं है और इसके अंदर बदबू भी आ रही है। इस गेहूं को पशुओं के सामने डाला गया तो उन्होंने भी खाने से इनकार कर दिया।

कलश यात्रा निकाल टेकचंद महाराज की पूजा अर्चना कर गुजराती दर्जी समाज ने मनाया महोत्सव

गुरु टेकचंद दास जी महाराज की महा आरती

लोकहित की पुकार,सारंगपुर

गुजराती दर्जी समाज दामोदर नवयुवक मंडल के द्वारा हर वर्ष की तरह शरद पूर्णिमा महोत्सव के तहत रविवार को गुरु टेकचंद दास जी महाराज का 212 वा समाधि महोत्सव कार्यक्रम के तहत प्रातः 8ः30 बजे बटकेश्वर महादेव मंदिर से बैंड बाजे के साथ कलश यात्रा प्रारंभ हुई जो की भेरु दरवाजा रोड होते हुए राठी मांगलिक परिसर पहुंची इस दौरान कार्यक्रम में मौजूद समाज के वरिष्ठ जन मुख्य अतिथियों का दामोदर नवयुवक मंडल के अध्यक्ष प्रदीप चौहान सहित सदस्यों के द्वारा पुष्प मालाओं से स्वागत किया गया इस दौरान आरती सहित गुरु टेकचंद दास जी महाराज की पूजा अर्चना मालाओं की बोली लगाई गई वही कार्यक्रम आयोजित किया गया तथा शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रगति करने वाले बालक बालिकाओं को शील्ड प्रदान कर पुष्प माला से मंडल के द्वारा स्वागत किया गया इस दौरान कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाज के वरिष्ठ जन गजेन्द्र परमार एवं शिवनारायण चावड़ा के द्वारा संबोधित करते हुए समाज में चल रहे घटनाक्रम के साथ समाज उत्थान की बात कही वहीं पंडित श्री हरि ओम जी महाराज के द्वारा गुरु टेकचंद दास जी महाराज के समाधि महोत्सव के उनके जन्म स्थान आलरी से लेकर गुरु धाम कडछा तक का विस्तार से वर्णन किया और कहा कि गुजराती दर्जी समाज भगवान दामोदर के वंशज होने से हमें गर्व से पहले अपनी गोत्र के पहले समाज के लोगों को दामोदर वंशीय के नाम से अपना परिचय देना चाहिए इसके बाद गुरु टेकचंद दास जी महाराज की बोली लगाने वाले समाज जनों सहित सारंगपुर सहित आसपास ग्रामीण क्षेत्रों से पधारे लोगों के द्वारा महा आरती की गई इस दौरान दामोदर नवयुवक मंडल अध्यक्ष प्रदीप चौहान रूप किशोर सोलंकी अनुप परमार कृष्णकांत परमार विनय मकोडिया नवीन सोलंकी जितेंद्र सोलंकी संदीप जाधव मुरलीधर सोलंकी विकास सोलंकी सहित वरिष्ठ समाजसेवी लोकेश जाधव प्रेम नारायण सोलंकी सोलंकी महिला मंडल अध्यक्ष उषा सोलंकी रमेश चंद सोलंकी बाबूलाल सोलंकी प्रेम नारायण सोलंकी मोहना अशोक सोलंकी पाडल्या माता सहित बड़ी संख्या में महिला पुरुष सम्मिलित होकर भोजन प्रसादी ग्रहण की कार्यक्रम का सफल संचालन लोकेश सोलंकी के द्वारा किया गया।

वार्डों में किया कांग्रेस प्रत्याशी ने जनसम्पर्क

गुना। विधानसभा गुना नगरीय क्षेत्र की विभिन्न वार्डों में कांग्रेस के युवा प्रत्याशी पंकज कनेरिया ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं और महिला नेत्रियों के साथ जनसम्पर्क किया। इस दौरान वह कांग्रेस नेत्री बिंदूसिंह के निवास पर पहुंचे। उल्लेखनीय है कि बिंदूसिंह भी कांग्रेस से दावेदारी जता रही थीं और टिकिट नही मिलने से थोड़ी अनवन हो गई थी। हालांकि आज जैसे ही कांग्रेस प्रत्याशी उनकी वार्ड में पहुंचे तो बिंदूसिंह ने गिले-शिकवे भुलाकर कांग्रेस प्रत्याशी कनेरिया का उत्साहपूर्वक तिलक, फूलमाला पहनकर और संविधान की प्रति भेंट कर उनका स्वागत किया। जनसम्पर्क के दौरान उन्होंने जनता को भरोसा दिया कि नगर के विकास में कोई भी कमी नही आने दी जाएगी। इस दौरान कनेरिया क्षेत्र के विकास के लिए प्रतिबद्धस नजर आए।

कलेक्टर ने खिलाड़ियों से किया परिचय

लोकहित की पुकार,सारंगपुर

उत्कृष्ट विद्यालय परिसर में आयोजित 67 वी राज्य स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता में सभी संभागों से आए खिलाड़ी वा कोचों से जिला कलेक्टर वा 67 वी राज्य स्तरीय खो खो प्रतियोगिता के अध्यक्ष हर्ष दीक्षित ने खिलाडियों से परिचय किया व्यायाम शिक्षक भारत भेरवे ने बताया की चार दिवसीय खो खो प्रतियोगिता सारंगपुर जिला राजगढ़ में दिनांक 03 से 06 नवंबर तक आयोजित हो रही है जिसमे आज खिलाड़ियों से परिचय करने पहुंचे जिला कलेक्टर हर्ष दीक्षित ने खिलाडियों को बधाई दी।

पूर्व मुख्यमंत्री ने किया जनसभा को संबोधित

लोकहित की पुकार,खिलचीपुर

नगर खिलचीपुर में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने कांग्रेस कांग्रेस की जनसभा को संबोधित किया इसके पूर्व वे तीन घंटे देर से पहुंचे वहीं छापीहेड़ा नाका से बाइक रैली व रोड शो करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह कांग्रेस प्रत्याशी प्रियव्रत सिंह एवं कांग्रेस कार्यकर्ता गण बस स्टैंड सभा स्थल पर पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री पूर्व मुख्यमंत्री सिंह ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि

आप लोग बहुत देर से इंतजार कर रहे हैं इसके लिए मैं आपका आभारी हूं और कांग्रेस प्रत्याशी प्रियव्रत सिंह का परिवार और मेरा परिवार एक ही है कई पीढियां से इस दौरान सिंह ने राजगढ़ जिले की तारीफ करते हुए कहा कि अब क्या हालत हो गए अब लगता है। कि हमारा राजगढ़ जिला पंजाब जैसा लगने लगा यहां चुनाव कांग्रेस और भाजपा के बीच का है। 2003 से आज तक भाजपा की सरकार रही है। पिछली बार 2018 में हमारी सरकार बन गई थी जो वादे हमने किए थे । किसानों का कर्ज माफ हो रा ह था पर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया पर तंज करते हुए बोले की यहां पर मेले में ढोर तो बिकते हैं। लेकिन विधायक भी बिक जायेंगे यहां उम्मीद हमें नहीं थी

भाजपा सरकार बार बार सनातन धर्म का पालन करने वाली बताती है सनातन धर्म यहां नहीं है। कि किसी एक धर्म को साथ लेकर चले सनातन धर्म यहां है । कि सभी धर्म को साथ लेकर चले और सभी का सम्मान करें सनातन धर्म क्या है जब हमारे घरों में पूजा पाठ होती है। तो हम क्या कहते हैं। धर्म की जय हो अधर्म का नाश प्राणियों में सद्भावना हो

और विश्व का कल्याण हो ये है। सनातन भारतीय जनता पार्टी का हिंदुत्व है आज पूरे देश में भारतीय जनता पार्टी नफरत फैला रही है देश का विकास होगा मध्य प्रदेश में 1993 से लेकर 2003 तक हमने जितने भी वादे किए थे वह सब पूरे किए किसानों को मुफ्त में बिजली दी अनुसूचित जनजाति के लोगों को पट्टे दिए जन स्वास्थ्य रक्षों की भर्ती की गौशालाएं खोली पंचायत को अधिकार दिए 10 सालों में हजारों लड़के लड़कियों को नौकरियां दी लेकिन भाजपा की भ्रष्ट सरकार ने 20 सालों में क्या किया घोटाले पे घोटाला व्यापम घोटाला सिपाही घोटाला पटवारी घोटाला यह वह लोग हैं सिर्फ दलाली करते हैं

वहीं कांग्रेस प्रत्याशी प्रियव्रत सिंह ने विकास कार्यों को गिनाया और बताया कि 2013 से 2018 तक भाजपा सरकार ने खिलचीपुर में एक भी कंकर लगाए हो तो बताएं जबकि नीचे से लेकर ऊपर तक उन्हीं की सरकार थी जब मैं काम करने लगा तो अड़ंगा लगाने लगे जब सब्जी मंडी का काम चालू किया तो कहने लगे यहां तो जनपद की भूमि अब इस भूमि पर नगर परिषद द्वारा दुकानों का निर्माण किया गया खिलचीपुर में श्रीजी चैत्र मेला की बाउंड्री वॉल बनवाई यहाँ पर सन 1957 में बैलों का मेला लगता था खिलचीपुर क्षेत्र में 15 महीने की कांग्रेस सरकार में विकास हुआ है खिलचीपुर में सिविल अस्पताल बना सामुदायिक भवन बना जीरापुर में सिविल अस्पताल का सामुदायिक भवन बना माचलपुर बस स्टैंड बना खिलचीपुर में बस स्टैंड बनाने के लिए 50 लाख रुपए नगर परिषद के पास है लेकिन खिलचीपुर नगर परिषद को डीपीआर बनाने की फुर्सत नहीं है। तीन जगह 5 ,5 करोड़ की लागत से कॉलेज बनवाएं

प्रियव्रत सिंह ने बताया कि कांग्रेस का वचन पत्र क्या है पढ़ो पढ़ाओ योजना कक्षा पहली से आठवीं तक और सिंह ने अंत में एक शेर बोला कुछ पत्तियां झड़ गई हो गई चमन को सीचने में कुछ पत्तियां झड़ गई हो गई चमन को सींचने में यही इल्जाम है। मेरी बेवफाई का लेकिन जिन्होंने अपने पैरों तले रौंदा है इस चमन को वे कर रहे दावे अपनी राहनवाई को

इसी के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह की उपस्थिति में कार्यकर्त्ता सम्मेलन सम्पन हुआ,साथ ही जिलाध्यक्ष प्रकाश पुरोहित, पूर्व सांसद नारायण सिंह, पूर्व विधायक राम प्रसाद दाँगी आदि समस्त कांग्रेस कार्यकर्ता गण सम्मिलित हुए।

दैनिक लोकहित की पुकार के लिए स्वामी प्रकाशक मुद्रक संतोष पुष्पद द्वारा सोनू ग्राफिक्स राधा कृष्ण कांप्लेक्स सारंगपुर राजगढ़ 465697 से मुद्रित व सिविल अस्पताल रोड सारंगपुर राजगढ़ मध्यप्रदेश 465697 से प्रकाशित, संपादक संतोष पुष्पद मोबाइलः- 94254 44 846- सभी विवादों का न्याय क्षेत्र सारंगपुर रहेगा।